RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ... सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-05, अंक - 47 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 24 अगस्त 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

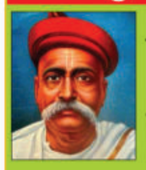

अन्याय और अत्याचार करने वाला, उतना दोषी नहीं माना जा सकता, जितना कि उसे सहन करने वाला।

बाल गंगाधर तिलक

भारत ने रच दिया इतिहास, चांद पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग

नई दिल्ली।

भारत का मिशन चंद्रयान सफलता के शिखर पर पहुंच चुका है। 23 अगस्त शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर ने रोवर सहित चांद के दामन पर पहला कदम रख लिया है। इस ऐतिहासिक पल का हर भारतवासी को बेसब्री से इंतजार था। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग करते ही भारत दुनिया का पहला देश बन गया है। साथ ही चांद पर अपना यान उतारने का कारनामा करने वाला दुनिया का चौथा देश भी। भारत से पहले मिशन मून को अमेरिका, रूस और चीन अंजाम दे चुके हैं।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि, भारत ही नहीं दुनिया को इस पल का इंतजार था। आज पूरा देश, हर भारतवासी इस पल का आनंद उठा रहा है। मैं इस उपलब्धि के लिए इसरो और देश के हर वैज्ञानिक को बधाई देता हूं। इसलिए क्योंकि इन्होंने इस पल के लिए वर्षों से इस पल का इंतजार किया है। मैं इस भावुकता से भरे इस पल के लिए देश के 140 करोड़ देशवासियों को भी कोटि-कोटि बधाई देता हूं। हमारे वैज्ञानिकों के परीश्रम से भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचा है, जहां दुनिया का कोई भी देश नहीं पहुंच सका है। आज के बाद से चांद से जुड़े मिथक और कहानियां बदल जाएंगे और नई पीढ़ी के लिए कहावतें भी बदल जाएंगी।

पीएम मोदी ने कहा कि, हम भारतवासी धरती को मां और चांद को मामा बुलाते हैं। बहुत पहले कहा जाता था कि चंदा मामा दूर के हैं। लेकिन, एक दिन वो भी आएगा जब बच्चे कहेंगे कि चंदा मामा एक टूर के हैं।

सिंधिया को खून से लिखी चिट्ठी, भाजपा में टिकट के लिए कलह

भिंड।

भाजपा ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर भले ही चौंका दिया हो। लेकिन इस सूची के जारी होने के बाद पार्टी में विरोध के सुर उठने लगे हैं। भाजपा ने गोहद विधानसभा सीट से लाल सिंह आर्य को उम्मीदवार बनाया है, लेकिन उनका विरोध शुरू हो गया है। विधानसभा क्षेत्र के मौ के रूपाबई गांव में मतदाताओं के एक बड़े वर्ग ने पार्टी को वोट ना देने की कसम खाई है। वहीं ऐनो गांव में रहने वाले सिंधिया फ्रेंड्स क्लब के अध्यक्ष भीम सिंह गुर्जर ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को अपने खून से चिट्ठी लिखी है।

उन्होंने यह चिट्ठी बुधवार को ग्वालियर में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को उनके निवास जय विलास पैलेस में सौंपी। इस चिट्ठी में उन्होंने लिखा है कि हमें रणवीर जाटव चाहिए। बता दें कि भाजपा के उम्मीदवारों की सूची में रणवीर जाटव की जगह लाल सिंह को टिकट दिया गया है। पत्र में लिखा गया है, महाराज साहब, रणवीर जाटव को टिकट नहीं दिया है। कार्यकर्ताओं का भविष्य खतरे में है। उन्होंने पार्टी को खून पसीने से सींचा है।

पत्र में आगे लिखा गया है कि, अन्याय नहीं न्याय चाहिए, महाराज साहब, रणवीर चाहिए। अंत में नीचे आई लव यू महाराज लिखा गया है। यह पत्र सामने आने के बाद गोहद में कांग्रेस से भाजपा में आए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं में असंतोष देखने को मिल रहा है। यह कार्यकर्ता अपने चहेते उम्मीदवार को टिकट न मिलने से निराश भी नजर आ रहे हैं।

गौरतलब है कि, अभी हाल ही में भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में होने वाले चुनाव के लिए 39 उम्मीदवारों की सूची जारी की थी उसमें अनुसूचित जाति के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य को गोहद विधानसभा से उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने सिंधिया समर्थक रणवीर जाटव का टिकट काटकर लाल सिंह आर्य को टिकट दिया है। इस कारण इस विधानसभा में सिंधिया समर्थक लाल सिंह आर्य का विरोध कर रहे हैं। यही कारण है कि अभी हाल में ही कुशवाहा समाज में भी शपथ ली है कि वर्तमान उम्मीदवार लाल सिंह को वोट नहीं देंगे। मध्य प्रदेश में उम्मीदवारों का बढ़ रहा विरोध भाजपा के लिए सिर दर्द बना हुआ है। यही कारण है कि, पार्टी के वरिष्ठ नेता अब हर विधानसभा में जाकर बैठक आयोजित कर रहे हैं। साथ ही जो लोग नाराज हैं उनको भी मानने में जुटे हैं।

गधों को खिलाया जा रहा गुलाब जामुन, वजह जान हो जाएंगे हैरान

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

मानसून सीजन में एक ओर जहां कई राज्यों को भारी बारिश के कारण बाढ़ का सामना करना पड़ रहा है, वहीं कई ऐसे राज्य भी हैं जहां पर्याप्त बारिश नहीं हो रही है। मध्य प्रदेश में भी पर्याप्त बारिश का न होना किसानों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। इस बीच किसान परेशान नजर आ रहे हैं। अपनी परेशानी का हल ढूंढने के लिए लोग कई तरह के टोटके भी अपनाते हैं।

मंदसौर में किसानों ने बारिश करवाने के लिए अलग तरह का टोटका किया। दरअसल कुछ दिन पहले किसानों ने गधों से खेत जोता था। खेत जोतने के बाद बारिश हुई थी। इस खुशी में मंदसौर के किसानों ने ज्यादा बारिश करवाने के लिए गधों को गुलाब जामुन खिलाया। गधों को गुलाब जामुन खिलाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

देश में इंद्रदेव को बारिश का देवता माना जाता है। इंद्रदेव को खुश करने के लिए कई तरह के टोटके अपनाए जाते हैं। इन टोटकों में कई बार ग्रामीण इलाकों में मेंढकों को भ्रमण कराया जाता है। कई जगहों पर मेंढकों की शादियां भी करवाई जाती हैं। इसी बीच एमपी के मंदसौर जिले में कम बारिश होने के कारण लोगों को एक टोटका सूझा। शहर के वार्ड नंबर-26 के लोगों ने गधों को गुलाब जामुन खिलाया है। गधों को गुलाब जामुन खिलाने का वीडियो भी बनाया गया। सोशल मीडिया पर आने के बाद यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

एक ओर जहां पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड और हिमचाल प्रदेश में बारिश ने भारी तबाही मचाई है, वहीं मैदानी राज्यों में पर्याप्त बारिश नहीं हो रही है। इन राज्यों में उत्तर प्रदेश के अलावा मध्य प्रदेश में भी कम बारिश हुई है। इन राज्यों में हो रही कम बारिश से लोगों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई हैं। लोगों ने फसल लगाई है और यदि बारिश नहीं हुई तो उनकी फसल अच्छी नहीं होगी। फसल की सिंचाई के लिए उन्हें पैसे अलग से खर्च करने पड़ेंगे, जिससे फसल की लागत बढ़ेगी।

चुनाव से ठीक पहले शिवराज कैबिनेट में फेरबदल का प्लान

भोपाल।

विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मध्य प्रदेश में कैबिनेट फेरबदल की अटकलें हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कुछ विशेष जातियों के प्रतिनिधित्व की कमी की शिकायत को दूर करने के लिए कैबिनेट में कुछ नए चहरों को जगह दे सकते हैं। राज्य में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने जा रहा है।

इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि, चुनाव से पहले मंत्रिमंडल में कम से कमम 4 नए चेहरों को जगह मिल सकती है। एक सूत्र ने बताया, नए चेहरों को शामिल करने के बाद सवर्ण और ओबीसी नेताओं के बीच संतुलन की उम्मीद है। बदलाव से अवगत एक व्यक्ति ने बताया, कुछ पुराने मंत्रियों को हटाए जाने की भी संभावना है।

एंटी इनकंबेंसी की काट के लिए कैबिनेट में बदलाव की अटकलें लगाई जा रही हैं। मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में काफी लंबे समय से सरकार है। भाजपा करीब 20 वर्ष से सरकार चला रही है। बीच में बस पिछ्ले चुनाव के बाद 15 महीनो के लिए कांग्रेस की सरकार रही। विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने 39 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है।

इतिहास रच दिया गांव की बेटी ने, मध्य प्रदेश अंडर 19 टीम मे चयन

मध्यप्रदेश की टीम तक पहुँचने वाली जिले की पहली महिला क्रिकेट खिलाड़ी

माही की गूंज, पेटलावद।

कौन कहता है आसमान में छेद नहीं होता एक पत्थर तो दिल से उछालो यारों इसी कहावत को पेटलावद नगर कि, बिटिया ने कड़े परिश्रम, हुनर व हौसले से वो मुकाम हासिल किया है जो आज तक के इतिहास में इससे पहले किसी बिटिया ने नहीं हासिल किया था। पेटलावद नगर की बिटिया ने एक बार फिर नगर का गौरव बढ़ाया है नगर की बिटिया दिव्यांशी महेंद्र चौधरी का चयन मध्यप्रदेश अंडर 19 क्रिकेट टीम के लिए चयनित हुई है। चयनित खिलाडियों का 6 सितम्बर से ग्वालियर में आयोजित टूर्नामेंट में अभ्यास मैच खेले जाएंगे जहां दिल्ली राज्य की टीम भी भाग लेगी। दिव्यांशी की इस उपलब्धि पर उज्जैन डीवीजन के सचिव हीरू काबरा कोच राजेश चावरा व अन्य सदस्यों ने बधाई दी।

बिटिया दिव्यांशी चौधरी जो कि, पेटलावद नगर के चौधरी परिवार कि बिटिया है। जो वर्तमान में खेलो इंडिया योजना के तहत मध्य प्रदेश शासन की महिला क्रिकेट एकेडमी शिवपुरी ग्वालियर में चयनित होकर कोच अरुण सिंह जो भारतीय क्रिकेटर नमन ओझा के भी कोच रहे हैं उनके सानिध्य में कोचिंग प्राप्त कर रही हैं। जिसका सारा वहन मध्य प्रदेश शासन उठा रही है, बिटिया दिव्यांशी चौधरी जिनकी प्रारंभिक क्रिकेट कोचिंग बड़े पापा भरत चौधरी से ही प्राप्त की हैं। दिव्यांशी स्कूली क्रिकेट में मध्य प्रदेश टीम से कर्नाटक जा कर खेल चुकी हैं।

भाजपा ने आखिर क्यों रखा थांदला का टिकट होल्ड पर

माही की गूंज थांदला/खवासा, मुकेश भट्ट

एक रणनीति के तहत मध्य प्रदेश भाजपा और शीर्ष नेतृत्व ने गत चुनाव में हारी हुई सीट को आकांक्षी विधानसभा का नाम दिया है और इन सीटों पर पार्टी ने चुनाव की घोषणा के पूर्व ही टिकट वितरण की योजना बनाई। उसी रणनीति के तहत मध्य प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों में से 39 प्रत्याशियों को घोषित कर सभी को अचंबे में डाल दिया। क्योंकि कांग्रेस यह कहती आ रही थी कि, वो अपने प्रत्याशियों की घोषणा तीन माह पहले कर देगी लेकिन भाजपा ने बिना कहे ही प्रत्याशी घोषित कर राजनीतिक पंडितों को भी आश्चर्य चकित कर दिया है। कई लोग इसे मास्टर स्ट्रोक बता रहे है तो कई लोग इसे बड़ा राजनीतिक दांव बता रहे हैं। खैर यह मास्टर स्ट्रोक या राजनीतिक दांव कितना सफल रह पाता है यह तो चुनाव परिणाम के बाद ही पता चलेगा। लेकिन इतना तो तय है कि, इन घोषित प्रत्याशियों को अपनी रणनीति बनाने, विरोधियों को मनाने व अपनी बात आम जनता के सामने रखने का समय अधिक मिलेगा। वही पार्टी में ही विरोधियों को इतने लंबे समय तक मनाए रखना टेढ़ी खीर भी साबित होगा।

थांदला को लेकर होल्ड क्यों...?

इन घोषित सीटों में सभी वही सीटे हैं जहां भाजपा पिछ्ले चुनाव में हारी थी, लेकिन थांदला की सीट भी हारी थी फिर थांदला होल्ड क्यों...? विगत चुनाव में बड़े अंतर से हारने वाले प्रत्याशियों को भी पहली सूची में स्थान मिला... लेकिन थांदला में ऐसा नहीं हुआ... क्यों..?

इन सब सवालों के पीछे कहीं न कहीं 2013 वाली कहानी जुड़ी हुई है। जब भाजपा ने पूर्व विधायक कलसिंह भाभर का टिकट काटकर नए प्रत्याशी गोरसिंह वसुनिया को टिकट दिया था और कलसिंह भाभर ने निर्दलीय चुनाव जीतकर भाजपा प्रत्याशियों की जमानत जप्त करवा दी थी। भाजपा के आंतरिक सर्वे में थांदला को कमजोर सीट माना गया है। ऐसे में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को डर है कि, अगर कलसिंह भाभर का टिकट काटा जाता है तो वो कहीं फिर से निर्दलीय ताल न ठोक दे, शायद इसीलिए बीजेपी शिर्ष नेतृत्व फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है। वो कलसिंह भाभर को नाराज भी नहीं करना चाह रहा है और इसलिए टिकट वितरण में प्रथम चरण में थांदला को होल्ड पर रखा गया है। जहां तक थांदला क्षेत्र से दावेदारों की बात करें तो आधा दर्जन टिकट की मांग में लगे हैं इनमें कलसिंह भाभर के साथ ही श्याम ताहेड, रमशु पारगी, बंटी डामोर, राजेश वसुनिया, दिलीप कटारा, सुशिला भाभर के साथ ही खवासा क्षेत्र के रमेश बारिया प्रमुख रूप से शामिल है।

कांग्रेस में क्या...?

कांग्रेस पार्टी का कहना था कि, वो अपने प्रत्याशी की घोषणा बहुत ही जल्द कर देगी लेकिन कांग्रेस अपने प्रत्याशी को घोषित नहीं कर पाई। लेकिन जिनका टिकट पक्का है उनको इशारा जरूर कर दिया गया है कि, वो अपनी तैयारियां प्रारंभ कर दे। उसी के अनुरूप वर्तमान विधायक वीरसिंह भूरिया ने अपनी तैयारियां प्रारंभ कर दी है। अपनी सहज, सरल और शोभ्य छवि के चलते गांधीवादी नेता की छवि बना चुके विरसिंह भूरिया ने विपक्षी विधायक होने के बावजूद जिला पंचायत की पांचो सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशी को विजय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और थांदला क्षेत्र के बलबूते ही कांग्रेस जिला पंचायत में अपना अध्यक्ष बनाने में सफल रही थी। जहां तक कांग्रेस में अन्य दावेदारों का सवाल है तो विधायक की छवि के आगे उनको टिकट मिलना बेहद मुश्किल है, लेकिन कहते हैं की राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं है और टिकट की घोषणा तक तो सभी दावेदार अपने आप को प्रत्याशी मान ही सकते हैं।

जयस कितनी मजबूत

हालांकि जयस राजनीतिक पार्टी नहीं है। लेकिन जयस संगठन गांव-गांव और फलिए-फलिए तक मजबूती के साथ फैला है और इसका अहसास जिला पंचायत के वार्ड क्रमांक 9 में हो गया था। जब जयस की उम्मीद्वार ने कांग्रेस और भाजपा के बड़े नेताओं को हराकर धमाकेदार जीत दर्ज की थी। जयस की ओर से कौन उम्मीदवार होगा यह अभी तय नहीं है। लेकिन इतना तो तय है कि, जयस उम्मीद्वार की और से दोनों ही दलों को कड़ी टक्कर मिलेगी। जयस नेताओं के अनुसार उम्मीद्वारों को लेकर राय शुमारी शुरू हो चुकी है और उम्मीदवारी का ऐलान जल्द ही होने की उम्मीद है। ऐसे में थांदला सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला होने की पूरी संभावना है। यही नहीं कांग्रेस और भाजपा से नाराज नेता निर्दलीय रूप से भी ताल ठोक सकते हैं।

खवासा क्षेत्र की उपेक्षा क्यों...? मांग: बारिया को मिले टिकिट

थांदला विधानसभा में जीत और हार में निर्णायक भूमिका अगर कोई क्षेत्र निभाता है तो वह खवासा क्षेत्र है। जिस भी उम्मीद्वार को अगर खवासा क्षेत्र से बढ़त मिल गई तो जीत निश्चित है, अन्यथा हार है। लगभग यही परंपरा पिछ्ले कई चुनावो से चली आ रही है। इसलिए खवासा क्षेत्र, थांदला विधानसभा का निर्णायक क्षेत्र रहा है। लेकिन दोनों ही प्रमुख दल भाजपा और कांग्रेस ने इस क्षेत्र के नेताओं की अपेक्षा ही की है। इसलिए 50 वर्षों के इतिहास में कांग्रेस व भाजपा किसी ने भी खवासा क्षेत्र के नेता को अपना उम्मीद्वार नहीं बनाया। लगभग 50 वर्षों पूर्व खवासा क्षेत्र के सेमलिया के रादूजी ने विधानसभा चुनाव जीता था। उसके बाद से कोई भी नेता चुनाव जीतना तो ठीक प्रमुख दल से उम्मीद्वारी भी नहीं कर पाया।

ऐसे में पुलिस की नौकरी छोड़ सेवा के भाव से राजनीति में आए रमेश बारिया 2018 के विधानसभा चुनाव में भी अपनी उम्मीद्वारी पेश कर चुके हैं। वहीं 2023 के इस विधानसभा चुनाव में भी क्षेत्र के कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों की आधारशिला पर पूरी जोड़-तोड़ से अपनी उम्मीद्वारी थांदला विधानसभा क्षेत्र से कर रहे है। खवासा क्षेत्र के साथ थांदला विधानसभा के अन्य क्षेत्र के भी लोग कहीं न कहीं रमेश बारिया की उम्मीद्वारी पर अपनी सहमति जताते दिख रहे है। वहीं खवासा क्षेत्र के भाजपाई नेताओं के साथ आम मतदाता भी व्यक्तिगत रूप से रमेश बारिया की उम्मीद्वारी के पक्ष में खड़े होकर उन्हें अगर टिकट मिलती है तो जीताने का दावा कर रहे हैं।

खवासा क्षेत्र की बात करें तो कहीं न कहीं अंदर खाने में रमेश बारिया को भाजपा से उम्मीद्वार बनाया जाता है तो जयस का भी समर्थन मिल सकता है। अब देखना है कि, भाजपा नेतृत्व उनके दावों को कितनी गंभीरता से लेता है।

रमेश बारिया का स्कूली शिक्षा से लेकर अब तक का सफर

खवासा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से 1985 में हाई सैकेंड्री पास कर झाबुआ के चंद्रशेखर आजाद महाविद्यालय में बीए स्नातक की डिग्री 1988 में प्राप्त की। 15 अप्रैल 1989 में पुलिस में नौकरी लग रानापुर थाने में पहली पोस्टिंग होकर थाने के अंतर्गत कुंदनपुर व कंजावनी में पदस्थ होकर अपने 4 वर्ष का सेवाकाल यहां दिया। झाबुआ कोतवाली में 1993 से 1994 तक व 1994 में अलीराजपुर थाने पर ट्रांसफर होकर 8 माह सेवा दी। 1995 में पुनः झाबुआ ट्रांसफर होकर आए और कोर्ट मुंशी के रूप में 6 वर्ष तक कार्य किया। जिसके बाद पेटलावद थाने पर 2001 में ट्रांसफर होकर 2004 तक करीब 4 वर्ष तक कोर्ट मुंशी के रूप में सेवा दी। 2004 से पुनः ट्रांसफर होकर झाबुआ में पदस्थ होकर 5 वर्ष तक सेवा देने के बाद पुनः 2009 में पेटलावद थाने पर ट्रांसफर हुआ और यहां पर 2012 तक कोर्ट मुंशी के रूप में ही अपनी अंतिम सेवा देकर जन सेवा के उद्देश्य से कंम्पलसरी सेवानिवृत्ति ली, जो 2013 में मंजूर हुई। सेवानिवृत्ति लेने के बाद रमेश बारिया ने भाजपा की सदस्यता ली और भाजपा अजजा मोर्चा के अध्यक्ष बने। उसके बाद 2014 से 2022 तक करीब 8 वर्ष सरपंच पद पर रहे। इसी दौरान भाजपा ने उनकी सक्रियता को देखते हुए मंडल अध्यक्ष की जवाबदेही दी जिसे भी बखूबी निभाया।

उनके सरपंच रहते हुए खवासा में इंडोर-आउटडोर स्टेडियम बनाया। वहीं खवासा पंचायत को स्वच्छता व उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। बारिया की सक्रियता एवं विकास के लिए भाग-दौड़ करने के जुनून को देखते हुए क्षेत्र के लोग रमेश बारिया को उम्मीद्वार बनाने की मांग भाजपा के शिर्ष नेतृत्व से कर रहे हैं।

साहब प्रेस के क्या दायरे है जरा प्रेस नोट के साथ बता दे उसके बाद फोटो खींचने पर करें पत्रकारों के खिलाफ कार्रवाई की बात

मामलाः अधिक कीमत पर खाद बेचने व जप्ती की दो दिवसीय कार्यवाही का

माही के गूंज, खवासा।

जिले में शराब माफिया का बोलबाला तो बारह मासी रहता है और प्रशासन किस तरह से उन्हें पनाह देकर अवैध कारोबार का बढ़ावा देते हैं यह सभी को मालूम है। वर्तमान में बोवनी के पूर्व उर्वरक बीज का काला कारोबार धडल्ले से हुआ। वही 853 रूपये छपी मूल्य वाले बीज की थैलियां दो हजार या उससे अधिक मूल्य पर बिकी और बड़े स्टॉक करने वाले व्यापारियों ने लाखों नहीं बल्कि करोडो के भी वारे-नारे किये। वही जो बड़े स्टॉक करने वाले व्यापारियों से छोटे व्यापारी 853 वाली थैली को 1700-1800 रूपये से खरीदकर अपना 200 से 300 रूपये मुनाफा लेकर बाजार में किसानों को बेचा। इसी दौरान अगर किसी ने छपी प्रिंट से अधिक मूल्यो पर उर्वरक बीज की शिकायत हुई तो कुछेक जगह शिकायत के बाद छूट-मुट कार्यवाही कर कार्य की इति श्री कर दी गई। जबकि उस छोटे व्यापारी के माध्यम से उस बड़े स्टॉक धारी व्यापारि तक पहुंचकर कार्यवाही करते जिसमे 853 रुपए में बेचने वाली थैली का मूल्य कम रेट में सबडीलर या छोटे व्यापारियों को देते तो वह व्यापारी शासकीय मूल्य के हिसाब से बेच सकता था। लेकिन उस छोटे व्यापारी पर भी दो गुनाह या उससे अधिक मूल्य पर लेने वाले उस छोटे व्यापारी पर कार्यवाही कर अपनी कार्य की इतिश्री कर अपनी वाह-वाही प्रशासन लुटती है। ऐसा कोई पहली बार नहीं है बल्कि प्रतिवर्ष इसी तरह से हो रहा है। इसी तरह से वर्तमान में खरीफ की फसल के लिए रसायन खाद की किल्लत के चलते छोटे व्यापारी यूरिया खाद को महंगे मूल्य में मध्य प्रदेश या बाहरी राज्य से खरीद कर लाते हैं और महंगे भाव में अपना कमीशन निकाल कर बेचते हैं। इस तरह से महंगे भाव में बेचे जा रहे उर्वरक बीच व रसायन खाद की बिक्री पर प्रशासनिक नुमाइंदों द्वारा आंखों में सुरमा डाल ऐसे अंधे बनकर बैठे रहते हैं कि, क्षेत्र में कुछ हो ही नहीं रहा है। लेकिन जब कोई ठोस शिकायत करता है तो यह निठल्ले अधिकारी कार्रवाई करने का इस तरह से ढकोसला करते हैं कि, उनके जैसा कोई ईमानदार अधिकारी ही नहीं है और अपना रोब झाड़ने में भी कोई चूक नहीं करते हैं।

कुछ ऐसा ही मंगलवार की सुबह से लेकर रात व रात से लेकर बुधवार की शाम तक युरिया खाद को अधिक मूल्य में बेचने पर की गई कार्यवाही में सामने आया है।

भामल निवासी दशरथ पिता तुलसीराम चौहान बिना लाइसेंस के ही राजस्थान व बाजना की ओर से चार सौ व उससे अधिक मूल्य पर रसायन यूरिया खाद लाकर पाँच सौ से साढे पॉच सौ रुपए मूल्य तक खाद को बेचा जा रहा था। दशरथ चौहान अपना यह खाद का कारोबार लंबे समय से बिना लाईसेंस के ही कर रहा था। कुछ किसान दशरथ चौहान के पक्ष में इसलिए थे कि, यूरिया खाद की बड़ी किल्लत रहती है और महंगे भाव में ही सही पर किसी तरह बिना परेशानी के खाद तो मिल जाता है।

वही दुसरी और वरिष्ठ अधिकारियों को अधिक मूल्य पर दशरथ चौहान द्वारा यूरिया खाद बेचे जाने की शिकायत नर्सिंगपाड़ा, मकोडिया व खवासा के लोगों ने की। जिस पर मंगलवार को सुबह दशरथ चौहान की भामल स्थित दुकान पर नायब तहसीलदार पलकेश परमार के साथ कृषि अधिकारी पहुंचे। यहां दुकान का निरीक्षण करने पर तीन-चार थैली ही यूरिया खाद की मिली जिसका पंचनामा बनाकर रवानगी ले ली। लेकिन शिकायतकर्ता ने दुकान के साथ गोदाम की भी शिकायत की थी। लेकिन नायब तहसीलदार ने मामले को रफा-दफा करने का प्रयास प्रथम दृष्टिया किया। शिकायतकर्ता भी व्यापारी के पीछे ऐसे पड़े की पुनः वडलीपाड़ा के नानालाल पिता रादू नीनामा के मकान के एक कमरे में बड़ी मात्रा में खाद होने के बावजूद कार्रवाई नहीं करने की शिकायत की। जिस पर वरिष्ठ अधिकारी के निर्देश पर रात्रि में ही नायाब तहसीलदार के साथ कृषि अधिकारी वडलीपाड़ा अवैध खाद के गोदाम पर पहुंचे और 170 यूरिया खाद की बोरी की गिनती कर मकान को सील कर दिया। वहीं रात्रि में अनेक किसान व्यापारी को सहयोग करते हुए बचाव पक्ष में पृथक-पृथक किसान 5-5,10-10 बोरी खाद की उनकी होना बताया।

इसी कार्रवाई के चलते जानकारी मिलने पर क्षेत्र का एक नौजवान पत्रकार भी मामले का कवरेज करने वडलीपाड़ा पहुंचा। जहा कार्रवाई के दौरान का फोटो पत्रकार द्वारा खींचने पर ही नायब तहसीलदार पलकेश परमार, पत्रकार पर ऐसे भनके की कार्रवाई के दौरान कोई फोटो नहीं खींचेंगे और फोटो खींचने पर शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज करवा देंगे तक की धमकी दे डाली।

वहीं पत्रकार को 10 मिनट में जानकारी देने की बात कह कर पंचनामा बनाकर बिना जानकारी दिए ही साहब अपनी पलटन के साथ निकल गए। वहीं दूसरे दिन मामला सुर्खियों में रहा जिसके बाद मजबूरन साहब को मामला दर्ज करवाना पड़ां।

माही की गूंज ने पत्रकार को इस तरह से धमकाने की बात पर नायब साहब से जानना चाहा कि पत्रकार के क्या अधिकार है, जिस पर साहब ने कहा मैं, जब कोई कार्रवाई कर रहा हूं तब मैं किसी से बात नहीं करता हूं, मेरे काम में कोई आकर डिस्टर्ब करेगा तो धारा 353, 354 है मेरे पास, न मेरे को फोटो खिंचवाना है, न मेरी तारीफ करवाना है, न मेरा विडीयो बनवाना है, न मेरे को हीरो बनना है, सरकार मुझे तनख्वाह दे रही है, मैं उसमें खुश हूं।

साहब की उक्त बात के बाद यही सवाल उठता है कि, साहब ही देश के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले मीडिया के क्या दायित्व है, वो अपने अनुभव के आधार पर प्रेस नोट के साथ सार्वजनिक कर दे। उसके बाद किसी पत्रकार पर 353, 354 में अपराध दर्ज करने की बात कहे।

गरबाखेड़ी में सप्त दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का हुआ समापन

माही की गूंज, बनी।

श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 16 अगस्त से 22 अगस्त तक सप्त दिवसीय भागवत कथा का समापन हुआ। भागवत आचार्य पंडित सुभाष जोशी ने कहा कि, संसार में संबंध श्री कृष्णा और सुदामा जैसे होना चाहिए जिसमें श्रद्धा और भक्ति की महक होती है। यही संबंध आज के इस युग में भक्त और भगवान के बीच होना चाहिए। मनुष्य को इस जीवन में पार पाना है तो अपना मन और जीवन भक्ति में लगाए इस युग में व्यक्ति कितना ही बलवान धनवान बन जाएगा लेकिन भक्ति में मन नहीं लगाया तो धन काम नहीं आएगा। भक्ति ऐसी है जो मनुष्य को मोक्ष मार्ग की ओर ले जाती है धन व्यक्ति को कुकर्म करवाता है। इस जीवन में मनुष्य को श्रीमद् भागवत गीता जीवन जीने की कला सिखाती है, प्रत्येक आत्मा को मोक्ष दिलाता है जिस घर में श्रीमद् भागवत कथा होती है परिवार तर जाता है। भगवान श्री कृष्ण की लीलाएं अनंत है उनका गुणगान जितना किया जाए कम है पंडित जोशी ने सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दौरान उन्होंने श्री कृष्ण सुदामा, अधिकमास, राजा परीक्षित, श्री कृष्ण जन्मोत्सव, की कई कथाओं का वर्णन किया गया है उन्होंने कहा कि, जीवन एक अनमोल है इसे यूं ही ना गवाएं और अपना मन प्रभु की भक्ति में लगाकर जीवन को धन्य करें। सप्त दिवस इस कथा में विधायक वालसिंह मेडा, पूर्व राज्य मंत्री निर्मला भूरिया, आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष कोमल सिंह डामोर, पेटलावद जनपद पंचायत अध्यक्ष रमेश सोलंकी, सहित कई जनप्रतिनिधि ने कथा श्रवण की और धन्य हुए भगवाताचार्य जोशी के श्री मुख से कथा सुनकर यहां की जनता धन्य हो गई। कथा के समापन पर ग्राम में जुलूस का आयोजन किया गया जिसमें बैंड-बाजे, ढोल के माध्यम से जुलूस प्रमुख मार्गों से होता हुआ कथा स्थल पहुंचा तारखेड़ी पंचायत के उपसरपंच कुलदीप लववंशी, पृथ्वीराज राठौड़, अमृतलाल नरवेलिया ,मोतीलाल कुलारिया, आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष कोमल सिंह डामोर की उपस्थित रह कथा में विशेष सहयोग मनोज नरवलिया, संजय पेंटर, राजेश साजोतिया, हरीश जानी, कालू गामड सहीत कई भक्तों ने इस कार्यक्रम में भाग लेकर सफल बनाया। कथा में दूर-दूर से भक्त ग्राम सेमरोड, बोलस, तारखेड़ी, सहित आसपास के ग्रामों के लोगों ने कथा श्रवण कर जीवन को धन्य किया।

गरबाखेड़ी में श्रीमद् भागवत कथा का निकल गया जुलूस

4 सितम्बर को नीलकंठेश्वर महादेव होंगे नगर भ्रमण पर

नागपंचमी पर शेषनाग रूप में दिखे भगवान निलकंठेश्वर

माही की गूंज, पेटलावद।

श्री निलकंठेश्वर महादेव को श्रावण के सांतवे सोमवार और नागपंचमी के एक साथ होने पर शेषनाग कें आकर्षक रूप से सजाया गया। जिसमें सुखे मेवे, मावा और भांग से शेषनाग का स्वरूप दे कर सजाया गया। कलाकार द्वारा भगवान का जीवंत श्रृंगार किया गया। जिसके दर्शन करने के लिए भक्तों का तांता शाम से ही प्रारंभ होकर देर रात्रि तक चला। दर्शन के साथ-साथ भक्तों ने महाआरती ओर महाप्रसादी का भी लाभ लिया। इस मौके पर निलकंठेश्वर मित्र मंडल के द्वारा दर्शनार्थीयों के लिए दर्शन की सुलभ व्यवस्था की गई। जिसमें भक्तों को भगवान के अच्छे व आसानी से दर्शन हो सके। इसी क्रम में भक्तों के द्वारा देर रात तक भजनों की प्रस्तुति भी दी गई। जिसे सुनकर भक्त भाव विभोर हो गये।

श्रावण में इस बार आए 8 सोमवार

निलकंठेश्वर मित्र मंडल द्वारा हर श्रावण सोमवार पर भगवान का आकर्षक श्रंगार किया गया। इस बार अधिक मास होने से श्रावण माह में कुल 8 सोमवार आ रहे है। जिस कारण से सभी सोमवार को भगवान का विशेष श्रंगार किया गया। इस बार महाआरती, महाश्रृंगार और महाप्रसादी के लाभार्थी नागर टेंट हाउस पेटलावद और कीर्ति, मनोज नागर देपालपुर रहे। इसके साथ ही भादवा के प्रथम सोमवार दिनांक 4 सितंबर को भगवान निलकंठेश्वर महादेव शाही सवारी के साथ नगर भ्रमण पर निकलेंगे। जिसकी तैयारियां निलकंठेश्वर मित्र मंडल और गौतम ग्रुप के द्वारा तैयारियां की जा रही है। जिसे लेकर बाहर से कलाकारों को बुलाया जा रहा है। भगवान शिव का नगर भ्रमण गाजे-बाजों के साथ भक्त डमरू बजाते हुए शाही अंदाज में सवारी निकाली जाएगी। मंडल ने सभी धर्म प्रेमी जनता से अपील की है कि, अधिक से अधिक संख्या में पधार कर भगवान शिव की शाही सवार का ले।

लोहार समाज द्वारा किया प्रथम रक्तदान शिविर का आयोजन

माही की गूंज, काकनवानी।

श्री विश्वकर्मा लोहार युवा समिति द्वारा प्रथम रक्तदान शिविर का आयोजन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र काकनवानी पर रखा गया। जिसमें 50 से अधिक संख्या में युवाओं ने रक्तदान किया एवं महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर इस रक्तदान शिविर में हिस्सा लेकर रक्तदान किया। रक्तदान शिविर के लिए लोहार युवा समिति के प्रमुख सदस्य विजेंद्र कुमार, राजेंद्र कुमार पांचाल के अथक प्रयासों से सभी अधिकारियों से चर्चा कर छोटे से गांव काकनवानी में रक्तदान शिविर के माध्यम से समाज में रक्तदान के प्रति जन चेतना लाने के लिए भर्षक प्रयास किया और स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी से संपर्क कर 15 दिनों में रक्तदान शिविर की पूर्ण तैयारी कर ली। इस रक्तदान शिविर में समाज के युवाओं के साथ महिलाएं भी कदम से कदम मिलाकर इस रक्तदान शिविर के आयोजन को सफल बनाने में अहम भागीदार बनी।

पहली बार रक्तदान शिविर में रक्तदान करके युवा अपने आप को गोरांवित महसूस कर रहे है। युवाओं का कहना है कि, अब समय-समय पर रक्तदान शिविर का आयोजन समाज द्वारा रखा जाएगा, ताकि लोगों में रक्तदान के लिए प्रेरित होते रहे, रक्तदान करते रहें जिससे हमारे समाज या अन्य किसी भी समाज में जिस किसी भी भाई-बहनों को खून की आवश्यकता होती है तो हमारा विश्वकर्मा पांचाल समाज हमेशा रक्तदान के लिए तत्पर रहेगा। विश्वकर्मा लोहार युवा समिति द्वारा पिछ्ले 5 वर्षों से वीसी समूह के माध्यम से अपने समाज के छोटे से छोटे टपके के लोगों को आर्थिक सहयोग कर अपने समकक्ष लाने की कोशिश की है। समाज में हर कार्य चाहे सामाजिक हो या धार्मिक कार्य हो युवा समिति हर कार्य को करने में सक्षम रहती है, तत्पर रहती है और हर कार्य सफल भी होता है। रक्तदान शिविर को मूर्त रूप देने के लिए श्री विश्वकर्मा लोहार युवा समिति के अध्यक्ष नवनीत रणछोड़ पंचाल, उपाध्यक्ष अंशुल चंदूलाल पंचाल, सचिव रोहित बाबूलाल पंचाल, कोषाध्यक्ष उमेश अमृतलाल पंचाल एवं प्रमुख सदस्य विजेंद्र राजेंद्र पंचाल एवं नटवर बाबूलाल पंचाल की अहम भूमिका रही। महिलाओं में प्रीति पांचाल, राजेश्वरी पांचाल, संगीता पांचाल, दुर्गा पांचाल एवं पूर्व उपसरपंच वर्षा पांचाल ने भी रक्तदान शिविर में रक्तदान किया।

इस रक्तदान शिविर में समाजजनों ने ग्रामवासियों से भी रक्तदान के लिए आग्रह किया। जिस पर यूनुस भाई बोहरा एवं पांच अन्य लोगों ने भी रक्तदान शिविर में रक्तदान किया। इस मौके पर कार्यक्रम की शुरुआत गांव के वरिष्ठ मांगीलाल पांचाल, अमृतलाल पांचाल, डाडमचंद चंद्र राठौर, एडवोकेट मनोज चौहान, सरपंच पति एवं भाजपा जिला मंडल उपाध्यक्ष बाबू निनामा, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मक्कन डामोर, बाबूलाल पांचाल, डॉक्टर शोभन बबेरिया, पूर्व जनपद अध्यक्ष गेंदाल डामोर, राजेश डामोर, काकनवानी पंचाल समाज अध्यक्ष प्रवीण पंचाल, राजेंद्र पांचाल, द्वारा भगवान श्री विश्वकर्मा के चित्र पर पुष्प माला अर्पण कर दीप प्रज्वलित कर रक्तदान शिविर को हरी झंडी दिखाई।

बैरागी बने जिला अध्यक्ष

माही की गूंज, बोलासा। दुर्गेश बैरागी को मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मंदिर पुजारी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की सहमति एवं उपाध्यक्ष प्रभारी जेपी धनोपिया की सहमति से मनोनीत किया गया। उनके मनोनयन पर सामाज के लोगों ने हर्ष व्यक्त किया।

94 बच्चों को स्कूटी प्रदान की गई, मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

माही की गूंज, झाबुआ।

स्कूल शिक्षा विभाग म.प्र. शासन मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के निर्देशानुसार जिले के सभी उ.मा. विद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओ को निशुल्क स्कूटी, आईसीईएस (मोटराइज्ड) प्रदाय योजना के तहत ई-स्कूटी का वितरण शासकीय कन्या उ.मा. विद्यालय झाबुआ में किया गया। कार्यक्रम में जिले से 94 बच्चो को स्कूटी प्रदान की गई। शहडोल जिले से मुख्यमंत्री श्री चौहान लाइव प्रसारण के माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े एवं बच्चो को शुभकामनाए दी। स्कूटी प्राप्त होने पर सभी बच्चो ने खुशी व्यक्त कर मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम में सहयक आयुक्त जनजाति कार्यविभाग श्रीमती निशा मेहरा द्वारा सभी बच्चो को पढने के लिए एवं शाला में प्रथम आने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही बच्चो को स्वयं पर विश्वास रख पढाई कर अच्छे प्रतिशत प्राप्त करने को कहा। जिन बच्चो को स्कूटी मिल रही है उन बच्चो को शुभकामनाए देते हुए, यातायात नियमो का पालन कर वाहन सुरक्षित रूप से चलाने एवं हेलमेट का उपयोग करने को कहा।

जयस में फूट

गुटीय राजनीति का शिकार जयस के दो उम्मीदवार मैदान में उतरने का दावा

विधानसभा में बन रहे रोज नए समीकरण, भाजपा कर चुकी प्रत्याशी घोषित

माही की गूंज, पेटलावद।

विधानसभा चुनाव 2023 की तैयारियां अब अंतिम दौर में जाती दिख रही है। भाजपा की पहली सूची 39 प्रत्याशियों की घोषित होने के बाद सियासी पारा गर्मा गया है। खासकर उन 39 विधानसभा क्षेत्र में जहां प्रत्याशियों के नाम तय हुए। पेटलावद विधानसभा भी इस सूची में शामिल है, जहां से पूर्व विधायक निर्मला भूरिया को भाजपा ने भारी विरोध के बाद प्रत्याशी बनाया है। भाजपा की सूची के बाद कांग्रेस सहित अन्य क्षेत्रीय दलों ने भी अपनी तैयारी को तेजी दे दी है।

जयस में फूट आ रही सामने

पेटलावद विधानसभा में जय आदिवासी युवा संगठन (जयस) की उपस्थिति ने दोनों मुख्य दलों की चिंता बड़ा रखी है। भाजपा की और से प्रत्याशी बनी निर्मला भूरिया प्रदेश संगठन को जयस के सर्मथन के दावे करने की जानकारी है, तो कांग्रेस लगातार प्रदेश स्तर पर जयस को साधने के दावे कर कांग्रेस से मिलकर मैदान में उतरने का दावा कर रहे है। उसके उलट जयस संगठन की और से मैदान में उतरने की होड़ मची हुई है। शुरुआत में कई दावेदार सामने आए लेकिन आपसी सामंजस्य बनाने की कोशिशों के बीच अब दो प्रत्याशी मैदान में रह गए है। अब जयस के बीच फुट ओर दो फाड़ होती नजर आ रही है। जयस के एक धड़े ने रतलाम जिले के बाजना विकास खण्ड से बिजली विभाग में इंजीनियर के पद से वीआरएस लेकर आये बालूसिंह गामड़ को प्रत्याशी तय कर लिया है और चुनाव मैदान में उतारने की तैयारी शुरू कर दी है, जो राजस्थान की भारतीय आदिवासी पार्टी(बीएपी) के बैनर पर मैदान में उतरगे। उधर जयस के एक धड़े द्वारा प्रत्याशी तय होने से हीरालाल अलावा गुट के प्रकाश डामोर ओर उनके समर्थकों ने मैदान में उतरने का दावा कर दिया है। जो कांग्रेस से प्रत्याशी घोषित होने के प्रयास में है, इनका मैदान में उतरना फिहल कांग्रेस के प्रत्याशी घोषित होंने के बाद ही तय होना है।

बालूसिंह गामड़

प्रकाश डामर

भाजपा प्रत्याशी घोषित, जयस ने बिगाड़े समीकरण

भाजपा अपना प्रत्याशी घोषित कर चुकी है, वही कांग्रेस अभी भी अलग-अलग सर्वे के परिणाम ले रही है। क्योंकि यहां पूर्व विधायक मेड़ा के साथ जिला पंचायत उपाध्यक्ष मालू अकमाल डामोर कांग्रेस के टिकिट के दावेदार है। कांग्रेस के पास जयस संगठन को साधने की भी बड़ी चुनौती है। कांग्रेस इस चुनौती से पार पाते इससे पहले ही जयस के धड़ ने अपना प्रत्याशी घोषित कर क्षेत्र के राजनीतिक समीकरण बिगाड़ दी। विधानसभा चुनाव में जयस से जुड़े कार्यकर्ता कांग्रेस को छोड़कर स्वतंत्रत मैदान में उतरना तय कर चुके है। हालांकि जयस का दूसरा धड़ अभी भी कांग्रेस की टिकिट से इंतजार में है और कांग्रेस के प्रत्याशी का नाम सामने का इंतजार कर रहा है। क्षेत्र में जयस की सक्रियता को देखते हुए इस बार चुनाव के समीकरण बिगड़ने के आसार है। केवल कांग्रेस को ही नही बल्कि भाजपा की भी गणित बिगड़ सकती है।

भाजपा जिला महामंत्री के बाद जिला मंत्री पर भी हुआ मामला दर्ज

जनपद अध्यक्ष के कार्यालय के बाहर हुआ था आपसी विवाद, भाजपा की हो रही किरकिरी

माही की गूंज, पेटलावद। पेटलावद की राजनीति के उठा पटक बन्द होने का नाम नही ले रही। अकसर विवादों में रहने वाले भाजपा के जिला महामंत्री कृष्णपाल सिंह राठौड़ पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पेटलावद थाने में मामला दर्ज हो गया। शनिवार को जनपद अध्यक्ष रमेश सोलंकी के कार्यालय के बाहर जिला महामंत्री कृष्णपाल और जिला मंत्री दुर्गादास मोटापाला के बीच विवाद हो गया था। जिंसमे जिला मंत्री दुर्गादास को चोट आई थी। मामला थाने पर पहुँच गया और काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने आईपीसी की धारा 323 मारपीट और 506 जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया है और मेडिकल रिपोर्ट के बाद धाराएं बढ़ सकती है। दोनों नेताओं को बीच काफी समय से विवाद चल रहा है, जिला महामंत्री कृष्णपाल सिंह राठौर के कारण लगातार भाजपा को कई मामलों में बदनामी उठानी पड़ी है लेकिन सांसद गुमानसिंह डामोर के सहयोग के चलते पार्टी की ओर से होने वाली कार्यवाही से बचने में कामयाब हो जाते है, जो बड़े विवाद का कारण बना।

जन संघ से भाजपा से जुड़ा मोटापाला परिवार आहत

शनिवार को जिला महामंत्री पर मामला दर्ज होने के बाद सोमवार को जिला महामंत्री राठौर ने जिला मंत्री दुर्गादास मोटापाला के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज करवाया। दोनों के बीच वर्चस्व को लेकर चल रहा विवाद अब सड़क तक उतर चुका है। इससे पहले भी पेटलावद भगोरिया गैर के दौरान दोनों नेताओं के बीच हाथापाई हो चुकी है और मामला थाने तक पहुँच चुका है लेकिन इस बार दोनों पक्षो पर मामला दर्ज हो गया। वरिष्ठ नेता और पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह मोटापाला जनसंघ के समय से भाजपा से जुड़ा हुआ है और इस विवाद के बाद मोटापाला परिवार काफी आहत दिखा।

आदिवासी सुरक्षा यात्रा का किया स्वागत

माही की गूंज, पेटलावद।

गुजरात राज्य के सामाजिक कार्यकर्ता राजूभाई वलवई एवम् केतनभाई बामनिया के नेतृत्व में 20 सदस्यीय आदिवासी सुरक्षा यात्रा का शुभारंभ विगत 9 अगस्त को क्रांतिसूर्य भगवान बिरसा मुंडा के जन्मस्थान झारखंड के खूंटी जिले के उलीहातु गाँव से आदिवासी महापुरूषों के राष्ट्रवादी प्रेरक विचारों के साथ हुआ है। जो कि, देश के 6 राज्यों झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान के आदिवासी अनुसूचित क्षेत्र से होकर गुजर रही है। यात्रा का मूल उद्देश्य आदिवासी वर्ग के समुदायजनों पर हो रहे अत्याचारों से समाज को मुक्ति दिलाने के लिए संवैधानिक रूप से सशक्त-आत्मनिर्भर बनाना। इस हेतू आदिवासी सुरक्षा यात्रा के माध्यम से आदिवासी वर्ग के विभिन्न समुदायों में एकता स्थापित करने के लिऐ वैचारिक एकीकरण, सांस्कृतिक शुद्धिकरणा, सामाजिक-राजनीतिक जागरूकता तथा देश में सामाजिक समरसता का निर्माण करना है।

ताकि विभिन्न स्तरों से बिखरे हुऐ आदिवासी वर्ग को एकता के सूत्र में संगठित किया जा सके। ताकि आदिवासी वर्ग के सभी समुदाय आत्मनिर्भर बनकर अपना सर्वांगीण विकास कर सके। इन्हीं उद्देश्यों के साथ निकली आदिवासी सुरक्षा यात्रा ने दिनांक 22 अगस्त को रतलाम जिले से रानीसिंग माही नदी के रास्ते झाबुआ जिले में प्रवेश किया। जिनका आदिवासी सामाजिक कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया, रात्रि विश्राम ग्राम गुणावद स्थित ईमलीपाड़ा में किया गया। दिनांक 23 कि सुबह 9 बजे से यात्रा पुनः प्रारम्भ हुई जो कि, मठमठ, हथनीपाड़ा, सारंगी, करड़ावद, रामगढ़, छायण पश्चिम, बामनिया होती हुई थांदला तहसील में प्रवेश हुई। इस दौरान हथनीपाड़ा स्थित शहीद टंटियाभील की प्रतिमा, छायण स्थित शहीद बिरसा मुंडा की प्रतिमा तथा बामनिया स्थित वीर पूंजाभील की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवम् दर्शन किऐ।

यात्रा का जगह-जगह पूष्पहारों से स्वागत किया गया। यात्रा के स्वागत में इंजिनियर बालूसिंग गामड़ जयस जिला प्रभारी कांतिलाल गरवाल, सचिन गामड़, दशरथ बरिया, सुरेश भाभर एवं क्षेत्र के समस्त युवा साथी उपस्थित रहें।

शाम को बीजेपी की नीतियों से प्रभावित कांग्रेसी नेता, सुबह वापस कांग्रेस में

माही की गूंज, बामनिया/अमरगढ़।

सूरत के विधायक और भाजपा नेताओं के साथ गले मे भाजपा का गमछा डाले ग्राम पंचायत अमरगढ़ सरपंच पिंटू भूरिया।

चुनाव को देखते हुए फिलहाल राजनीतिक दलों में पार्टी बदलने का दौर चल रहा है। हर रोज कही न कही से पार्टी बदलने की खबरे आ रही है, मंगलवार को कुछ ऐसा हुआ की चर्चा का विषय बन गया। भाजपा की कैम्पेनिग के लिए विस्तार बन कर आये गुजरात राज्य के सूरत के विधायक भाजपा कार्यकर्ताओ से मुलाकात करने के लिए क्षेत्र में भृमण कर रहे है। मंगलवार को बामनिया क्षेत्र के दौरे पर थे और रामपुरिया में कार्यकर्ताओं की बैठक ले रहे थे। इस दौरान ग्राम पंचायत अमरगढ़ के सरपंच ओर जनपद पेटलावद में कांग्रेस की ओर से सरपंच संघ के अध्यक्ष पिंटू भूरिया द्वारा भाजपा की सदस्यता लेने के फोटो और वीडिया सोशल मीडिया पर वायरल हुए। जिंसमे सरपंच भूरिया देश के प्रधानमंत्री और भाजपा से प्रभावित होकर भाजपा में आने का दावा करते नजर आए। भाजपा इसकी खुशी मनाती इससे पहले सरपंच पिंटू भूरिया अपने कहे से पलट गए और उन्होंने ने कांग्रेस में रहने की बात कह कर भाजपा में जाने की खबरों का खंडन कर दिया। सरपंच पिंटू भूरिया ने बताया कि, वो शाम को रामपुरिया पंचमुखी हनुमान मंदिर पर दर्शन करने गए थे जहा भाजपा नेताओं की बैठक चल रही थी। भाजपा के कुछ मित्र सूरत गुजरात से आये विधायक से मिलने का आग्रह कर मुझे ले गए और गले मे भाजपा का डपट्टा स्वागत स्वरुप डाला गया। बैठक में ग्राम अमरगढ़ के मित्र लोग भी थे जिनके कहने पर देश के प्रधानमंत्री के कार्यो से प्राभवित होने की बात कही जिसका वीडियो बना कर प्रचारित किया। सरपंच पिंटू भूरिया ने कांग्रेस छोड़ने की खबरों का खंडन करते हुए खुद को कांग्रेस का कट्टर बताया। उधर मंडल अध्यक्ष संदीप मांडोत ने कहा कि, सरपंच पिंटू भूरिया स्वेच्छा से भाजपा में शामिल हुए और गुजरात विधायक के सामने बिना किसी दबाव के सदस्यता ली वो अपनी बात से क्यो पलटे ये समझा जा सकता है।

प्रधानमंत्री आवास में हेराफेरी का खुलासा, एफआईआर से बचाने के लिए वसुली का चल रहा खेल

विकास खण्ड के कई मामले में हुए फर्जी भुगतान, आखिर जिम्मेदार कौन...?

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड की ग्राम पंचायत करडावद में प्रधानमंत्री आवास योजना में हुई हेराफेरी जांच में उजागर हुई है और इस बार फिर अधिकारीयो ने मामले में हेराफेरी और चार सौ बीसी का पुलिस प्रकरण दर्ज करवाने की बजाए फर्जी भुगतान पाए जाने के बाद ग्राम पंचायत सचिव पर अनुशासत्तनामक कार्य का नोटिस जारी किया है। जबकि इस प्रकार के कई मामलों में पहले वसुली के नोटिस जारी कर गुमराह किया गया है। ग्राम पंचायत करडावद के सरपंच ओर सचिव द्वारा प्रधानमंत्री आवास की राशि हितग्राही के खाते में बिना किसी निर्माण के कर दी और उसके लिए दूसरे स्थान के फर्जी फ़ोटो लगाकर जियो टेग कर हितग्राही को बीस दिन में तीन किश्तों में भुगतान कर दिया गया। जिसकी शिकायत गाँव के ही गोपाल आंजना द्वारा जनसुनवाई में गई थी जिसकी जांच में बड़ा फर्जीवाड़ा पाया गया।

जांच में मौके पर नही मिला निर्माण, जांचकर्ता ने किया गुमराह, लिए प्रतिवेदन

शिकायत के बाद मामले की जांच में मौके पर किसी तरह का निर्माण कार्य नही मिला और जियो टेग किये गए फ़ोटो भी दूसरी जगह के पाए गये। लेकिन जांच कर्तकर्ताओ ने जिस तरह से कथन बनाये ओर अधिकारी ने जांच प्रतिवेदन तैयार किया। उससे साफ है कि, कही न कही इस फर्जीवाड़े में ग्राम पंचायत को बचाने की कोशिश की गई। जांच में हितग्राही ओर शिकायतकर्ता के मध्य पारिवारिक विवाद होना बताकर मामले को गुमराह करने की कोशिश की गई। जाँच में ये भी दर्शाया गया कि, पारिवारिक विवाद के कारण हितग्राही कोई मकान नही बना पाया और अन्य स्थान पर नया मकान क्रय किया जिसकी रजिस्ट्री नही होना बताया। जबकि जाँच का सीधा दायरा था कि, हितग्राही ने आवास निर्माण किया की नही ओर भुगतान के लिए लगाए गए फ़ोटो हितग्राही द्वारा किये गए निर्माण के है कि नही। जिस तरह से जांच प्रतिवेदन ओर जांच में सभी पक्षो के कथन है उससे साफ है कि, शिकायतकर्ता द्वारा कानूनी कार्यवाही की धमकी के बाद अधिकारीयो ने अपने बचाव की कोशिश कर मामले को उलझाने की कोशिश की है, लेकिन अंत मे निर्माण को लेकर हुए फर्जीवाड़े को स्वीकार करना पड़ा जिसके बाद जिला सीओ द्वारा राशि वसुली का नोटिस जारी किया गया।

पंचनामे में केवल उपस्थित, मौके की कोई जानकारी नही

जांच के नाम पर अधिकार और कर्मचारी किस तरह गुमराह कर रहे है इसका नमूना एक बार फिर देंखने को मिला। मौका पंचनामा तैयार करने वाले जनपद के कार्मचारीयो ने पंचनामे के नाम पर केवल जांच हेतु अपनी उपस्थिति होने का लिखा उन्होंने ने जांच में मौके पर निर्माण पाया कि, नही पाया और जो फ़ोटो भुगतान के लिए शासन को दिखाये गए वो वहां के थे या नही इसका कोई उल्लेख नही किया।

सभी आवासों की जांच हो तो खुलेगा बड़ा फर्जीवाड़ा

पेटलावद विकास खण्ड में ग्राम पंचायतों में किये गए सार्वजनिक कार्यो को काम किये बिना राशि निकालने ओर बिना कार्य किये हितग्राहियों को भुगतना के कई मामले उजागर हो चुके है। फर्जी बिल, फर्जी निर्माण दिखाकर लाखो करोड़ो के भुगतान होने के बाद शिकायत ओर उसकी जांच में फर्जीवाड़ा साफ होने के बाद भी किसी मामले में शासकीय राशि की हेराफेरी का पुलिस प्रकरण दर्ज नही हुआ ओर फर्जी कार्यो को जैसा तैसा भी कर मौके पर निर्माण करवाकर या वसुली के नाम पर गुमराह कर अपनी ओर अपने अधीनस्थों की गर्दन बचा रहे है। इतना ही नही किसी भी शिकायत का दायरा तक सीमित रखा जाता है केवल उसी पहलू जांच होती है जिसकी शिकायत होती है। ग्राम पंचायत करडावद के मामले में भी केवल शिकायत के आधार पर एक प्रधानमंत्री आवास की जांच की गई जबकि इस योजना के माध्यम से स्वीकृत सभी हितग्राहियों के निर्माण की जांच की जाए तो बड़ा भ्रष्ट्राचार उजागर हो सकता है लेकिन अधिकारी शिकायतो पर बमुश्किल जांच करते है और पूरी कोशिश करते है कि, शिकायतकर्ता और स्थानीय एजेंसी में आपसी सुलह समझौता हो जाये। इस मामले के शिकायतकर्ता गोपाल आंजना ने बताया कि, इस मामले में अधिकारी फर्जीवाड़ा करने वालो पर पंचायत अधिनियम के अंतर्गत पुलिस प्रकरण दर्ज नही करते तो मेरे द्वारा कानूनी कार्यवाही हेतु माननीय न्यायालय में पिटीशन दायर करूंगा।

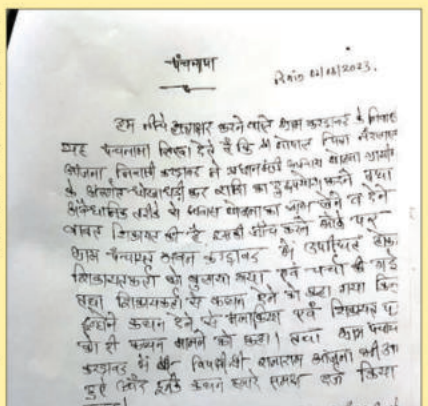

पंचनामा

जांच अधिकारी द्वारा बनाया गया मौका पंचनामा जिंसमे केवल जांच के लिए उपस्थिति दर्ज करवाई गई।

// कार्यालय जिला पंचायत झाबुआ (म०प्र०) //

// कारण बताओ सूचना पत्र //

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत झाबुआ (म०प्र०)

जिला सीओ द्वारा सचिव को जारी नोटिस।

गणेश महिला मंडल ने गाये सुमधुर भजन नाचे भक्तजन

माही की गूंज, थांदला।

नर्मदेश्वर महादेव मंदिर नवापाड़ा पर थांदला महिला मित्र मंडल के आह्वान पर मेघनगर गणेश मित्र मंडल की महिलाओं ने आकर सुमधुर आवाज में भजन गाकर समा बांधा दिया। इस अवसर पर महिलाओं ने खूब भजन गायें व नाचते गाते बाबा को रिझाने का प्रयास किया। मन्दिर पुजारी जानकी अड़ ने भगवान की आरती उतारते हुए सबको मनवांछित इच्छा पूर्ति का आशीर्वाद दिया।

इससे पूर्व मेघनगर से सरोज शर्मा, कीर्ति राठौर, निर्मला पड़ियार आदि की अगवानी में आई गणेश महिला मंडल के सभी सदस्यों का थांदला महिला मण्डल की सीमा भारती, राधिका मेडा, सुशीला डामोर, अनीता डामोर, रेखा सोनी, मंजूलता पवार, रिद्धिमा सोनी आदि ने पुष्पहारों से स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि, यह पहला अवसर है कि थांदला के किसी मन्दिर पर बाहर से महिला मंडल ने आकर भाव भरा कीर्तन किया हों।

श्री पोरवाल बनाये गए जन आशीर्वाद यात्रा के प्रभारी

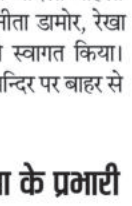

माही की गूंज, झाबुआ। भाजपा द्वारा पूरे प्रदेश की कई विधानसभाओ में निकाली जाने वाली जन आशीर्वाद यात्रा को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। विधानसभा चुनावों को देखते हुए भाजपा इस यात्रा को बड़ा रूप देने की योजना बना चुकी है। यात्रा झाबुआ जिले में भी प्रवेश करेगे, जिसकी तैयारियों के लिए जिला एवं विधानसभा प्रभारी की नियुक्ति की गई है। पिछले दिनों ग्वालियर में हुई बैठक में जिला एवं विधानसभा प्रभारी के नाम तय किये गए। जन आशीर्वाद यात्रा के लिए झाबुआ जिले के लिए भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष जिला प्रभारी अजय पोरवाल को नियुक्त किया गया। जबकि विधानसभा प्रभारी झाबुआ रामेश्वर नायक, थांदला मुकेश मेहता और पेटलावद संजय कहार को जबाबदारी दी गई है। कुछ माह पूर्व भाजपा द्वारा विकास यात्रा निकाली गई थी जो पूरी तरह फ्लाफ़ शो साबित हुई थी। इसलिये चुनाव से ठीक पहले निकलने वाली जन आशीर्वाद यात्रा की व्यापक तैयारी की जा रही है।

संपादकीय

पर्यावरण में मनुष्य के दखल का परिणाम दरकते पहाड़

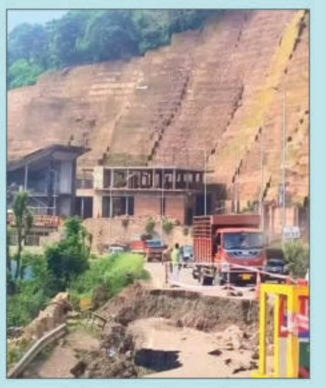

हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं की वहन क्षमता को आंकने के लिये सुप्रीम कोर्ट की पहल पर पैनल बनाया जाना स्वागत योग्य कदम है। मगर सवाल है कि जो काम केंद्र व राज्य सरकारों को समय रहते करने चाहिए थे, उसके लिये अदालतों को आदेश देने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है...? क्यों हमारी कार्यपालिका व व्यवस्थापिका इस दिशा में पहल नहीं करती? क्यों हमारा तंत्र 'आग लगने पर कुआं खोदने' की मानसिकता से नहीं उबर पाता? अच्छी बात है कि विशेषज्ञों द्वारा देश के तेरह राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के पर्वतीय इलाकों का मूल्यांकन किया जायेगा। जो न केवल हिल स्टेशनों की जनसंख्या का दबाव वहन करने की क्षमता का आकलन करेगा बल्कि निर्माण कार्यों के लिये एक मास्टर प्लान के बारे में भी सोचेगा। ताकि इस बात का निर्धारण हो सके कि पारिस्थितिकीय-तंत्र को हानि पहुंचाए बिना कितनी अधिकतम आबादी को रहने को अनुमति दी जाये। हाल के वर्षों में देश में जिस तरह मध्यम वर्ग का उदय हुआ है, देश के पुराने हिल स्टेशन जनसंख्या के बोझ से चरमराने लगे हैं। इससे सफाई और पेयजल का संकट भी बढ़ा है। इस पर्यटन संस्कृति ने धनाढ्य वर्ग में, इन इलाकों में होटल व मकान बनाने को स्टेटस सिंबल जैसा बना दिया है। कमोबेश यही स्थिति सरकारी निर्माण की भी है। हालांकि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने शीर्ष अदालत में दाखिल अपने हलफनामे में कहा है कि संविधान की सातवीं अनुसूची के अनुसार भूमि व विकास गतिविधियों का संरक्षण राज्य का विषय है। लेकिन इसके बावजूद पर्यावरण व राष्ट्रीय हितों के लिये केंद्रीय एजेंसियों की सचेतक भूमिका होनी चाहिए। नि:संदेह, पहाड़ व प्रकृति मनुष्य को सुकून देती है, लेकिन उसके मूल स्वरूप को बनाये रखना भी हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। जिसके नियमन के लिये राज्य सरकार व स्थानीय प्रशासन को भी सजगता दिखानी होगी। उसकी सक्रियता बिना किसी आपदा का इंतजार किये होनी चाहिए। साथ ही दूरगामी लक्ष्यों को लेकर योजनाएं बननी चाहिए।

नि:संदेह, हमने जीवन में जल्दी-जल्दी सब कुछ हासिल करने के मोह में उन परंपरागत तौर-तरीकों को नजरअंदाज किया, जो पहाड़ों में सड़क बनाने में इस्तेमाल किये जाते थे। जिसमें ध्यान रखा जाता था कि पहाड़ के आधार को क्षति न पहुंचे। लेकिन अब फोर-लेन हाईवे बनाने के प्रलोभन में ऐसे तमाम उपायों को नजरअंदाज किया गया। अपेक्षाकृत नये हिमालयी पहाड़ों पर बसे हिमाचल व उत्तराखंड के पहाड़ फोर-लेन सड़कों का दबाव सहन करने को तैयार नहीं हैं। पहले सड़कें लंबे घुमाव के साथ तैयार की जाती ताकि पहाड़ के अस्तित्व को खतरा न पहुंचे। लेकिन अब दावे किये जा रहे हैं कि शिमला-मनाली कुछ ही घंटों में! मगर ये घंटे कम करने के उपक्रम की कीमत स्थानीय लोगों व पारिस्थितिकीय तंत्र को चुकानी पड़ रही है। पहाड़ों को काटने के साथ पेड़ों का कटान तेजी से हुआ है। ये पेड़ ही पहाड़ों की ऊपरी परत पर सुरक्षा कवच का काम करके भू-स्खलन को रोकते थे। सबसे बड़ी चिंता की बात यह भी है कि अवैज्ञानिक तरीकों से सड़कों के लिये कटान से पहाड़ों के भीतर के वाटर चैनलों का प्राकृतिक प्रवाह भी बाधित होता है। जो न केवल जमीन के कटाव को बढ़ावा देता है बल्कि नयी आपदाओं की जमीन भी तैयार करता है। इतना ही नहीं सड़कों को चौड़ा करने के नाम पर कई जगह ब्लास्ट तक का सहारा भी लिया जाता है, जो पहाड़ों का आधार कमजोर करता है। दरअसल, अतीत में हमारे पूर्वज मकानों का निर्माण पहाड़ों की तलहटी और समतल इलाकों में किया करते थे। लेकिन हाल के वर्षों में खड़ी चढ़ाई वाले पहाड़ों को काटकर बहुमंजिला इमारतों व होटलों का निर्माण अंधाधुंध हुआ है। इस बोझ को सहन न कर सकने वाले पहाड़ों में कालांतर भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। हमें याद रखना चाहिए कि भवन निर्माण हो या सड़कों का निर्माण, पहाड़ों को कोई शार्टकट रास्ता स्वीकार नहीं है। उसकी कीमत हमें तबाही के रूप में चुकानी होगी। वहीं दूसरी ओर पहाड़ों पर भारी-भरकम व्यावसायिक विज्ञापनों के लिए होर्डिंग लगाने व रंगों की पुताई से बचाना चाहिए, जिससे वे बेहतर ढंग से सांस लेते हुए अपने मूल सौंदर्य को बरकरार रख सकें।

दिल को भी दर्द दे रहा है माइक्रोप्लास्टिक

डॉ. शशांक द्विवेदी

जीवन को सुविधाजनक बनाने के लिए जब प्लास्टिक का आविष्कार हुआ था तब किसी ने सपने में नहीं सोचा होगा कि यही प्लास्टिक आज मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाएगा। सुबह उठने से लेकर रात में सोने तक के क्रम में प्लास्टिक हमारे जीवन का अभिन्न अंग हो गया है लेकिन अब यही प्लास्टिक, माइक्रोप्लास्टिक बनकर हमारे शरीर में घुलकर जहर का काम कर रहा है। प्रदूषण के कारण शरीर में माइक्रोप्लास्टिक के कण मिलने के प्रमाण तो पहले सामने आ चुके हैं, लेकिन अब यह खतरा दिल तक पहुंच गया है।

पिछले दिनों अमेरिका में सर्जरी के पहले और बाद में लिए गए दिल के ऊतकों यानी टिश्यू के नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक के कण मिलने की पुष्टि हुई है। शोधकर्ताओं ने 15 लोगों के दिल की सर्जरी के पहले और बाद में टिश्यू के नमूने लिए थे। ज्यादातर नमूनों में हजारों माइक्रोप्लास्टिक के कण पाए गए। प्लास्टिक के प्रकार व कणों की संख्या मरीजों में अलग-अलग रही। शोधकर्ताओं ने कहा कि किसी के दिल पर माइक्रोप्लास्टिक कणों से पड़ने वाले प्रभाव को समझने के लिए अभी व्यापक शोध की जरूरत है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि दिल तक माइक्रोप्लास्टिक का पहुंचना चिंताजनक है।

टिकाऊ होना प्लास्टिक की खूबी थी, लेकिन अब वही इससे खतरे का कारण बन गया है। प्लास्टिक नष्ट नहीं होता है। लंबे समय तक मिट्टी या पानी में पड़े रहने पर भी प्लास्टिक गलता नहीं है। इस कारण प्लास्टिक कचरा संकट बनता जा रहा है। स्थिति यह है कि जल स्रोतों में फेंके जाने वाले प्लास्टिक कचरे के कारण पानी के माध्यम से लोगों के शरीर में माइक्रोप्लास्टिक के कण पहुंचने लगे हैं। साथ ही हवा के रास्ते भी शरीर में माइक्रोप्लास्टिक पहुंचने लगे हैं। शरीर में माइक्रोप्लास्टिक के कण कैंसर समेत कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। खून में और पेट में माइक्रोप्लास्टिक के कण मिलने की बातें आम हो गई हैं।

यूरोपीय केमिकल एजेंसी के अनुसार, माइक्रोप्लास्टिक्स 5 मिमी से कम लंबाई के किसी भी तरह के प्लास्टिक के टुकड़े हैं। वे ब्यूटी प्रोडक्ट, कपड़े, खाद्य पैकेजिंग और इंडस्ट्रियल प्रोसेस सहित अनेक तरीकों से नेचुरल इकोसिस्टम में प्रवेश करके प्रदूषण और बीमारी का कारण बनते हैं। माइक्रोप्लास्टिक्स के दो टाइप हैं, प्राइमरी माइक्रोप्लास्टिक्स में कोई भी प्लास्टिक के टुकड़े या कण शामिल होते हैं जो पर्यावरण में प्रवेश करने से पहले ही 5.0 मिमी या उससे कम आकार के होते हैं। इनमें कपड़ों के माइक्रोफाइबर, माइक्रोबीड्स और प्लास्टिक पैलेट्स (जिन्हें नर्डल्स भी कहा जाता है) शामिल हैं। पर्यावरण में प्रवेश करने के बाद नेचुरल गैदरिंग के माध्यम से बड़े प्लास्टिक उत्पादों के टूटने से दूसरे माइक्रोप्लास्टिक्स उत्पन्न होते हैं। सेकेंडरी माइक्रोप्लास्टिक्स के सोर्सेज में पानी और सोडा की बोतलें, मछली पकड़ने के जाल, प्लास्टिक बैग, माइक्रोवेव कंटेनर, टी बैग और टायर शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, हर वर्ष दुनियाभर में 500 अरब प्लास्टिक बैग उपयोग होते हैं, जो सभी प्रकार के अपशिष्टों का 10 प्रतिशत है। हमारे देश में प्रतिदिन 15000 टन प्लास्टिक अपशिष्ट निकलता है, जिसकी मात्रा निरंतर बढ़ती जा रही है। प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि पूरे विश्व में इतना प्लास्टिक हो गया है कि इस प्लास्टिक से पृथ्वी को पांच बार लपेटा जा सकता है। समुद्र में करीब 80 लाख टन प्लास्टिक बहा दिया जाता है, जिसका अर्थ है कि प्रति मिनट एक ट्रक कचरा समुद्र में डाला जा रहा है। यह स्थिति पृथ्वी के वातावरण के लिए बेहद हानिकारक हो सकती है क्योंकि प्लास्टिक को अपघटित होने में 450 से 1000 वर्ष लग जाते हैं।

सुबह उठकर ब्रश करने से लेकर दिनभर के कई कामों में हम तरह-तरह से प्लास्टिक इस्तेमाल करते हैं। सब्जियों की थैली से लेकर फूड्स पैक करने के लिए प्लास्टिक का इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही पानी पीने की बोतल, कॉफी-चाय कप, प्लास्टिक फेस मास्क, टी बैग्स, वेट टिश्यू, वाशिंग पाउडर, घर में रंगने के लिए इस्तेमाल होने वाले कलर और कई कॉस्मेटिक प्रोडक्ट में भी प्लास्टिक का इस्तेमाल किया जाता है। इन सब में ऐसा माइक्रोप्लास्टिक होता है जो आपके दिमाग तक भी पहुंच जाता है। प्लास्टिक से हमारे शरीर को कई नुकसान होते हैं, रेड ब्लड सेल्स के बाहरी हिस्से से चिपक जाते हैं और ऑक्सीजन फ्लो को पूरी तरह बाधित कर सकते हैं, जिससे शरीर के टिश्यू में ऑक्सीजन में कमी आ सकती है। इसके अलावा इससे इम्यून सिस्टम पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। यह धीरे-धीरे आपके शरीर को कमजोर बना सकता है और आपकी प्रोडक्टिविटी प्रभावित होती है। यह गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों के लिए भी हानिकारक हो सकता है। इसके अलावा यह फेफड़ों, हार्ट, ब्रेन, डाइजेस्टिव सिस्टम को प्रभावित करता है। माइक्रो और नेनो प्लास्टिक मानव शरीर की संरचना पर असर डाल सकते हैं।

जनरल एनवायरनमेंट इंटरनेशनल में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार 80 प्रतिशत व्यक्तियों के खून में माइक्रोप्लास्टिक पाया गया है। रिपोर्ट में एक और बात सामने आई है कि मानव शरीर में माइक्रोप्लास्टिक घूम सकता है और शरीर के कई महत्वपूर्ण हिस्सों को नुकसान पहुंचा सकता है। जिसका सीधा असर दिमाग पर पड़ता है। वैज्ञानिकों ने इस बात पर चिंता जताई है कि अगर स्थिति यही रहती है तो यह ह्यूमन बॉडी सेल्स को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। माइक्रोप्लास्टिक के प्रभाव के कारण शख्स की मौत कम उम्र में भी हो सकती है। इस शोध में 22 अलग-अलग लोगों के खून के नमूने लिए गए थे और इनमें से अधिकतर लोगों के खून में पीईटी प्लास्टिक, जो आमतौर पर पीने की बोतलों में पाया जाता है। इसमें एक-तिहाई मात्रा में पॉलीस्टाइनिन होता है, जिसका प्रयोग भोजन और अन्य उत्पादों की पैकेजिंग के लिए किया जाता है। इसके अलावा इसमें पॉलीइथाइलीन था, जिसका इस्तेमाल प्लास्टिक बैग बनाने में किया जाता है।

प्याज पर 40 फीसदी निर्यात शुल्क, किसानों के साथ धोखा

सनत जैन

केंद्र सरकार द्वारा प्याज पर 40 फ़ीसदी निर्यात शुल्क लगाने की घोषणा की है। 31 दिसंबर 2023 तक भारत से प्याज,विदेश में निर्यात होगी, तो उसे पर 40 फ़ीसदी निर्यात शुल्क देना होगा। इससे देश में प्याज की कीमतें कम हो गई हैं। किसानों के साथ यह सरकार की धोखाधड़ी और असंवेदनशीलता ही मानी जाएगी। जब फसल खेत से निकलती है। तब कीमतें बहुत तेजी के साथ गिर जाती हैं। किसानों को अच्छी फसल आने पर उत्पादन लागत के दाम भी नहीं मिल पाते हैं। मंडियों तक फसल को ले जाने के लिए हजारों रुपए भाड़ा देना पड़ता है। भाड़ा भी प्याज की कीमत से ज्यादा होता है। किसानों को जब मंडियों में दाम नहीं मिलता है। तब किसान वहीं फेंक कर वापस आ जाते हैं। बिना बिकी फसल यदि वह अपने घर लायगा तो उसका भाड़ा ही उसकी कीमत से ज्यादा होगा। पिछले एक दशक से किसान लगातार कर्ज में डूबते जा रहे हैं। जब फसल आती है,तब उन्हें दाम नहीं मिलते हैं। सरकार ने फसलों के न्यूनतम दाम तय नहीं किये हैं। समर्थन मूल्य पर सरकार किसानों की फसल नहीं खरीदती है। प्राकृतिक आपदा और 3 से 4 महीने की मेहनत के बाद जब फसल आती है। किसान को उत्पादन लागत नहीं मिलती है। कुछ ही समय के बाद जब मंडियों में आवक कम हो जाती है। तब रेट बढ़ना शुरू होते हैं। तब सरकार इस तरह के प्रतिबंध लगा देती है। जिसके कारण किसानों को भारी नुकसान सहना पड़ता है। फल, सब्जी,अनाज, तिलहन, दलहन सभी में यही हाल है। खाद्य पदार्थों की कीमतों का असर आम आदमी पर पड़ता है। पिछले एक दशक में पेट्रोल और डीजल में सरकार ने भारी टैक्स लगा रखा है। जिसके कारण परिवहन की लागत बढ़ गई है। कृषि उत्पादन की भी लागत तेजी के साथ बढी है। खेत से मंडी तक फसल ले जाने में किसानों को फसल की कीमत से ज्यादा भाड़ा देना पड़ता है। मंडी में माल बेचने के अलावा उसके पास और कोई चारा नहीं होता है। जिस भाव भी माल बिकता है, वह बेचकर घर चला आता है। सरकार समर्थन मूल्य पर कोई खरीदी नहीं करती हैं। सरकार कृषि उत्पाद के लागत मूल्य भी तय नहीं करती है। किसानों को सरकार का कोई भी संरक्षण प्राप्त नहीं है। आंधी, तूफान, बारिश इत्यादि में फसल नष्ट होती है। नकली दवाई, नकली कीटनाशक, नकली बीज,महंगी खाद की विभिन्न समस्याओं के कारण, कृषि उत्पादन की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। किसानों की आय कम होती जा रही है। जिसके कारण पिछले एक दशक में किसान बड़ी संख्या में कर्जदार होकर आत्महत्या तक करने के लिए विवश हो रहे हैं। टमाटर हो या प्याज, हर बार सुनने में आता है कि सही दाम नहीं मिलने के कारण किसानों को बहुत कम कीमत पर फ़सल बेचना पड़ती है। उपभोक्ताओं को साग, सब्जी, फल, फूल इत्यादि सब महंगे दामों में खरीदना पडते हैं। बिचौलिए इसका पूरा लाभ उठाते हैं। किसान और उपभोक्ता दोनों ही ठगे जाते हैं। उपभोक्ताओं को सस्ती सामग्री उपलब्ध कराने के लिए किसानों को टारगेट करती है। जब भी फसल के दाम थोड़े बेहतर होते हैं। किसानों को कुछ फायदा हो सकता है। उस समय सरकार कीमतों को नियंत्रित करने के नाम पर विदेशों से खाद्यान्न एवं अन्य खाद्य सामग्री आयात करके किसानों आर्थिक नुकसान पहुंचाती है। दलहन और तिलहन का लगातार आयात किया जा रहा है। भारत के किसानों को उचित दाम नहीं दिए जा रहे हैं। वहीं विदेशों से महंगे दामों में आयात करके भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है। हाल ही में अफगानिस्तान से लहसुन का आयात किया गया। जैसे ही गेहूं के दाम थोड़े से बढ़ने लगे। सरकार ने निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। चावल के दाम थोड़ा ठीक-ठाक हुए,और सरकार ने निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। जिसके कारण कीमतें बाजार में गिर गई। गेहूं की कीमतों को कम करने के लिए रूस से 90 लाख टन गेहूं आयात करने की बात की जा रही है। इससे भारत का किसान अपने ही देश में अपनों द्वारा ठगा जा रहा है। किसानों का आक्रोश, सरकार की नीतियों के खिलाफ बढ़ने लगा है। पिछले वर्षों में पेट्रोल डीजल की कीमतें बढ़ने और जीएसटी के कारण, खेती किसानी की उत्पादन लागत बहुत तेजी के साथ बढ़ी है। वहीं किसानों को उत्पादन लागत भी नहीं मिल पा रही है। सरकार उत्पादन लागत का दोगुना लाभ देने का वायदा करती है। लेकिन वास्तविकता यह है, कि किसानों को उत्पादन लागत भी नहीं निकलती है। किसान कर्ज के बोझ से दबते ही चले जा रहे हैं। इससे किसानों में आक्रोश फैल रहा है। सरकार को समय रहते ध्यान देने की जरूरत है। सरकार, फल-फूल, सब्जी, अनाज, तिलहन, दलहन इत्यादि की उत्पादन लागत तय करे। उत्पादन लागत में किसानों का लाभ जोड़कर,न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करे। उससे कम कीमत पर खरीद बिक्री ना हो। इसके लिए सरकार को कानून बनाने की जरूरत है। साल भर उपभोक्ताओं को एक निश्चित कीमत में खाद्य सामग्री उपलब्ध हो। इस दिशा में भी सरकार को नीति बनाने की जरूरत है। ताकि उपभोक्ताओं और किसानों दोनों के हितों का संवर्धन हो सके। महंगाई को भी साल भर नियंत्रित रखा जा सके।

लोकसभा चुनाव मुद्दा कांग्रेस के लिए अभी नहीं तो कभी नहीं!

डॉ. श्री गोपाल नारसन

सात दशकों तक सत्ता में रहने के बाद पिछले नो वर्षो से मोदी सरकार के सत्ता में रहने से मजबूत विपक्ष की भूमिका के लिए जोर मारती रही कांग्रेस अब 2024 के लोकसभा चुनाव को अंतिम अवसर के रूप में देख रही है।जिसके लिए विपक्षी गठबंधन इंडिया पर दांव लगाया जा रहा है।देश के प्रमुख कांग्रेस नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का कहना है कि 2024 की लड़ाई देश को आजादी दिलाने वाली कांग्रेस व उसके सहयोगी गठबंधन दलों तथा आजादी के आंदोलन में अंग्रेजों की मुखबिरी करने वाले लोगो के बीच है,इनमें से किसी चुनना है यह देश की जनता तय करेगी।उन्होंने साथ ही कांग्रेस को भारत के विकास का प्रतीक बताते हुए कांग्रेस शासनकाल की उपलब्धियों को अभूतपूर्व बताया तो मोदी सरकार के समय देश के प्रतिष्ठित प्रतिष्ठानों के निजीकरण को देश के लिए घातक बताया।उन्होंने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस ही नही देश की विपक्षी पार्टियों के लिए देश को बचाने का यह आखिरी मौका है,अन्यथा इस देश को लोकतंत्र को कुचलकर तानाशाही की ओर बढाया जा रहा है।हरीश रावत ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए अब फिर से कांग्रेस को सींचने का काम शुरू कर दिया है।इसके लिए उन्होंने लोगो को कांग्रेस से जुड़ने के लिए अपील की है।हरीश रावत ने अपनी अपील जिसे वे घर घर जाकर बांट रहे है,में कहा है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस समाज के सभी वर्गों,समुदायों ,धर्मो और जातियों को साथ लेकर चलती है।वही पहले जाति आधारित राजनीति करके और अब हिन्दू-मुसलमान के आधार पर समाज को बांटने वाली पार्टियों ने कांग्रेस के जनाधार को कमजोर किया है।वही उक्त पार्टियों के कारण देश भी कमजोर हुआ है।जबकि कांग्रेस सर्वधर्म समभाव अपनाते हुए सबके कल्याण के लिए तत्पर रहकर अमीर गरीब के बीच की खाई को पाटने,देश के किसानों, मजदूरों, नोजवानो, महिलाओं, दलितों,पिछडो,अतिपिछडो, अल्पसंख्यको ,कर्मचारियों, व्यापारियों के प्रति व्याप्त असम्मान व आर्थिक विषमता के प्रतिकूल समय मे कांग्रेस उनके पक्ष में संघर्ष के लिए आगे आ रही है।यही कांग्रेस का संवैधानिक धर्म है और महात्मा गांधी,डॉ भीमराव अंबेडकर के सिद्धांतों को आगे लेकर चलने का संकल्प भी है। जिसके लिए हरीश रावत ने कांग्रेस से जुडो अभियान की 51 यात्राएं करने व आने वाले सभी चुनाव में कांग्रेस को ताकत देने का अभियान शुरू किया है।

पहाड हो या मैदान, शहर हो या गांव, घर हो या चौपाल, शायद ही ऐसी कोई जगह हो, जहां पूर्व मुख्यमन्त्री हरीश रावत का अपना कोई कार्यकर्ता मौजूद न हो। प्रत्येक कार्यकर्ता के दु:ख -सुख के साथी कहे जाने वाले हरीश रावत की एक बडी विशेषता यह भी है कि उन्हे अपने हर कार्यकर्ता का नाम व पता याद रहता है। किस कार्यकर्ता से उन्हें क्या काम लेना है, कैसे काम लेना है और कार्यकर्ता को क्या सम्मान देना है, यह भी हरीश रावत को बखूबी आता है। मुख्यमन्त्री पद पर रहते हुए और मुख्यमंत्री की कुर्सी से उतरने के बाद भी वे अपने कार्यकर्ताओ को वही मान सम्मान देते रहे है जो पहले से देते आए है। छोटे से छोटे कार्यकर्ता के महत्व और सम्मान को तरजीह देने में माहिर हरीश रावत को अपने कार्यकर्ताओं के बीच रहकर विशेष उर्जा मिलती है। तभी तो मुख्यमन्त्री आवास रहा हो या उनकी कोई जनसभा या फिर उनका अन्य कोई कार्यक्रम ,जब तक कार्यकर्ताओं से वे घिरे न हो, तब तक उन्हे आनन्द की अनुभूति नही होती। अपने छोटे से छोटे घरेलु कार्यक्रमों में भी वे अपने आम और खास कार्यकर्ताओं को आमन्त्रित करना नही भूलते, वही वे यह भी कौशिश करते है कि सभी कार्यकर्ताओं के यहां उनके सुख दु:ख के अवसरो पर हाजिरी दे सके। उनके इसी गुण के कारण उनके कार्यकर्ता उनके लिए उनके विरोधियों से भी भिड जाते है और हरीश रावत के पैरोकार बनकर चुनाव के समय उन्हे सफलता के सौपान तक पहुंचाते है। हालांकि हरीश रावत को कई बार चुनावी असफलताए भी झेलनी पडी है परन्तु न तो हरीश रावत का और न ही उनके कार्यकर्ताओं का मनोबल कम हुआ है।आज भी ऐसे कई कार्यकर्ता है ,जिन्हे हरीश रावत सरकार बन जाने पर भी कुछ नही दे पाए,लेकिन न तो हरीश रावत यह बात भूलते है और न ही उनके वे कार्यकर्ता उनसे रूठते है। वे फिर भी कन्धे से कन्धा मिलाकर हरीश रावत के उत्तराखण्डियत मिशन में न सिर्फ भागीदार बन रहे है बल्कि आमजन के बीच जाकर हरीश रावत सरकार के समय की उपलब्धियों को भी बता रहे है।उनके इस अभियान के साथ ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन महारा जहां संगठन को धार दे रहे है वही कांग्रेस की गुटबाजी दूर करने के लिए राहुल गांधी स्वयं नसीहत दे चुके है।हालांकि गुटबाजी दूर हो पाएगी ऐसा कम से कम फिलहाल तो नही लगता।

वास्तव में पहाड के सरंक्षण, संवर्धन और विकास के लिए उत्तराखण्ड राज्य के विकास की जो परिकल्पना राज्य के लोगो द्वारा उत्तराखंड आंदोलन के दौरान की गई थी वह विकास परिकल्पना पूरा करने का हरीश रावत दावा कर रहे है।कांग्रेस राज्य के समग्र विकास के साथ चार धाम यात्रा,अमरनाथ यात्रा और मानसरोवर यात्रा के माध्यम से पहाड पर रह रहे लोगो की रोजी रोटी के साधन बनाने में के लिए भी प्रतिबद्ध होने की बात कर रही है। पर्वतीय क्षेत्र को प्राकृतिक आपदा से बचाने के लिए भी कांग्रेस शासनकाल में कार्ययोजना तैयार की गई थी। जिसके तहत भूस्खलन एवं भूकम्प से होने वाले नुकसान को बचाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल था।राज्य को विकास व उपलब्यियो के रास्ते पर ले चलने में कामयाब हो जाने पर भी हरीश रावत को पिछले चुनाव में जीत नही मिल सकी थी।जिसके पीछे आम जनता तक पहुंच बनाकर आम जनता को कांग्रेस व सरकार की उपलब्धिया न बताने से जीत के लक्ष्य को प्राप्त करने में कांग्रेस विफल रही थी। उत्तराखण्ड की राजनीति में कांग्रेस के वर्चस्व को बनाये रखने और मिशन 2024 को फतेह करने के लिए कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा,नेताप्रतिपक्ष यशपाल आर्य और पूर्व मुख्यमन्त्री हरीश रावत एक जुटता के साथ चल रहे है। हरीश रावत पार्टी की मजबूती के लिए चलाये गए कांग्रेस से जुड़िए अभियान को सफ़ल बनाने में भी वे कारगर रहे है। कांग्रेस चाहती है कि पहाड या मैदान उत्तराखंड के विकास कार्यों में कोई ठहराव न आने पाए। जिस पहाड और मैदान की संस्कृति तथा उसके भोलेपन पर सारी दुनिया फिदा है ,उसके महत्व को कांग्रेस ने समझा है।जिसका दावा स्वयं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा कर रहे है। पहाड की हरियाली ,उसकी खूबसूरती, उसकी जडी बूटी व पहाड़ी व मैदानी व्यंजनों जैसी विरासत को बचाने के लिए हरीश रावत सदैव आगे रहे है। पूर्व मुख्यमन्त्री हरीश रावत की सोच है कि पहाडी क्षेत्रो मे रहकर पहाड की सांस्कृतिक विरासत को जिन्दा रखा जाए क्योकि जब तक पहाड को अपनी आत्मा समझकर हम पहाड को सरंक्षित करने की पहल नही करेगे, जब तक पहाड की मजबूती और सुन्दरता के लिय पहाड पर नये वृक्षो का रोपण नही करेगे, जब तक विकास के नाम पर बारूद से पहाड तोडने के लिय विस्फोट करना बन्द नही करेगे, जब तक पहाड मे आत्म स्वावलम्बन के लिय रोजगार का सृजन नही करेगे, तब तक पहाड को बचा पाना मुश्किल भरा रहेगा । इसके लिए आम जनमानस की एकजुटता, सगंठन शक्ति, उत्साह ,जोश और स्फूर्ति की आवश्यकता है जो कभी नये राज्य की मॉग को लेकर पैदा हुई थी। शायद पहाड की रक्षा और स्वयं के स्वाभिमान को बचाने के लिए लोगो को परेशानी भी उठानी पडे, लेकिन पहाड की खुशहाली लौटाने के लिए यह जरूरी भी है। तभी पहाड का भोलापन, उसकी महक व संस्कृति बची रह सकती है। इस पुनीत प्रयास को पूरा करने के लिए हरीश रावत उत्तराखंड के लोगो की चाहत के तहत आगे आ रहे है जो आम जनमानस के उत्थान के साथ ही उत्तराखण्ड की उन्नति और खुशहाली के लक्ष्य को सहज रूप में प्राप्त करेगा। इस लिए कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनाव की खातिर आपसी गुटबाजी को छोड़कर जनता का विश्वास जीतने व लोगो को कांग्रेस से जोड़ने के लिए जिम्मेदार नेताओं को मैदान में उतार रही है। जिसकी पहली परीक्षा बागेश्वर का उपचुनाव है जिसमे भाजपा व कांग्रेस के बीच आमने सामने की टक्कर है। वही दूसरी परीक्षा इस साल राजस्थान,मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में होने विधानसभा चुनाव की है।यही चुनाव कांग्रेस व उसके गठबंधन संगठन इंडिया का भविष्य तय करेंगे।

माइक्रोप्लास्टिक का आकार 0.0007 एम.एम. होता है, जो शरीर में आसानी से आवागमन कर सकते हैं।

इस बात में कोई शक नहीं है कि प्लास्टिक हमारी सेहत के लिये खतरनाक है, ऐसे में हमें प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करने का संकल्प लेना चाहिए। मसलन प्लास्टिक के बैग्स को संभाल कर रखें। इन्हें कई बार इस्तेमाल में लाएं। प्लास्टिक के पैकेज्ड फूड से बचना होगा, प्लास्टिक की प्लेट में कोई भी भोज्य पदार्थ का प्रयोग न करें, साथ ही सतर्कता बरतनी होगी कि प्लास्टिक शरीर में किसी भी रूप में न पहुंचे।

नर्सिंग कॉलेजों में तीन वर्ष से नहीं हुई परीक्षाएं, आंदोलन पर उतरने की तैयारी में विद्यार्थी

माही की गूंज, मंदसौर।

नर्सिंग कालेजों में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थी तीन वर्ष से परीक्षा का इंतजार कर रहे है। लेकिन मेडीकल यूनिवर्सिटी जबलपुर द्वारा परीक्षाएं आयोजित ही नहीं की जा रही है। इसको लेकर कालेज प्रबंधकों के माध्यम से विद्यार्थी यूनिवर्सिटी से परीक्षा की मांग करते रहे, लेकिन इंतजार में ही तीन साल बित गए। परेशान विद्यार्थियों का सब्र का बांध टूट गया और सोमवार से नर्सिंग विद्यार्थी आंदोलन की राह पर है। विद्यार्थियों ने नर्सिंग छात्र संगठन भी मनाया है।

मंदसौर में आंदोलन के दूसरे दिन संगठन ने गांधी चौराहा पर भूख हड़ताल की, इस दौरान तीन छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई, उन्हें उपचार के लिये अस्पताल ले जाया गया। एसडीएम मौके पर पहुंचे आंदोलनकारी छात्र-छात्राओं से चर्चा की, सभी विद्यार्थी यहीं बोले की सर, हम परेशान हो चुके है यूनिवर्सिटी से कहिए हमारी परीक्षा ली जाए।

विद्यार्थियों ने धरने के लिए लगाए टेंट को किसी ने रात में हटा दिया

नर्सिंग छात्र संगठन द्वारा अपनी मांगों को लेकर तीन दिवसीय धरना प्रदर्शन सोमवार से प्रारंभ किया था। इसके लिये गांधी चौराहा नपा के बाहर विद्यार्थियों ने टेंट भी लगाया था। शाम को विद्यार्थी धरना प्रदर्शन के बाद चले गए थे। इसके बाद रात में किन्हीं अज्ञात लोगों ने टेंट को हटा दिया। जिस जगह पर सोमवार को विद्यार्थियों ने धरना प्रदर्शन किया वहां पर मंगलवार को नपा ने भी एक सूचना बोर्ड लगाकर लिख दिया की यहां पर धरना प्रदर्शन आदि प्रतिबंधित है। जबकि नपा के बाहर इस स्थान पर बरसों से धरना प्रदर्शन हो रहे है।

अभिव्यक्ति स्थल बनने के बाद भी नपा के बाहर उक्त स्थान पर शासकीय कर्मचारी संगठन भी धरना प्रदर्शन कर रहे है। सरकार के खिलाफ भी धरना प्रदर्शन हुए तब नपा को सूचना बोर्ड लगाने की याद नहीं आई अब विद्यार्थी अपनी उचित मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे है तब नपा ने यह बोर्ड लगाया है। मंगलवार को विद्यार्थियों ने गांधी चौराहा पर ही भूख हड़ताल की।

मामले में एसडीएम मंदसौर एसएल शाक्य ने बताया कि, नर्सिंग विद्यार्थी गांधी चौराहा पर धरना प्रदर्शन कर रहे है। उनका कहना है की यूनिवर्सिटी परीक्षा नहीं करवा रहा है, तीन वर्ष हो गए है। हमने विद्यार्थियों से चर्चा की है, उनसे कहा है की तीन साल आपने इंतजार किया है। तीन दिन ओर इंतजार किजिये हम यूनिवर्सिटी के संबंधितों से चर्चा करेंगे। कोई हल जरूर निकालेंगे।

वही नर्सिंग छात्रा आयुषि प्रजापत ने बताया, हमारी मांगे पूरी नहीं होगी तब तक हम धरना प्रदर्शन करेंगे।हमारी मांग है की हमारी परीक्षाएं जल्द से जल्द हो। धरना प्रदर्शन के लिये हमने एसडीएम से अनुमति ली है। फिर भी सोमवार की रात में हमारा टेंट हटा दिया गया। मंगलवार को हमने भूख हड़ताल की है।

नर्सिंग छात्र मनीष पोरवाल ने बताया कि, एक ही कक्षा में हमे तीन साल हो गए है, परीक्षा ही नहीं हुए है। हमें प्रथम वर्ष में जनरल प्रमोशन दिया जाए। दूसरे वर्ष की परीक्षा ली। हम शांति पूर्वक धरना प्रदर्शन कर रहे है, इसके बावजूद रात में हमारा टेंट उखाड़ दिया गया। इसके कारण हमने मंगलवार को सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया है।

पार्किंग में खड़ी कार में मिली अफीम, चार आरोपी गिरफ्त में

माही की गूंज, मंदसौर।

गांधी सागर बोट क्लब के पार्किंग में खड़ी कार से 5 किलो अफीम तस्करी के मामले में गिरफ्तार चारों आरोपियों को कोर्ट मे पेश किया गया। जहां से कोर्ट ने पुलिस को सभी आरोपियों का पांच दिन का रिमांड सौंपा है। रिमांड अवधि के दौरान पुलिस अफीम लाने के अन्य स्त्रोत के बारे में पता लगाएगी।

यह था मामला

गांधी सागर थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गांधीसागर बोट क्लब पार्किंग में खड़ी कार की तलाशी लेने पर 10 लाख के कीमत की 5 किलो अवैध अफीम बरामद की थी। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों प्रधान सिंह पिता भेरु सिंह सोंधिया राजपूत (35) निवासी गुरुवाडिया जोगा थाना मिश्रौली जिला झालावाड़ और जसवंत सिंह पिता गुमान सिंह सोंधिया राजपूत (29) निवासी बिलावली थाना गंगाधार जिला झालावाड़ को गिरफ्तार किया था।

आरोपी अवैध अफीम को रामलाल सुथार निवासी बिलावली थाना गंगाधर जिला झालावाड़ से लेकर आए थे और धर्मेंद्र पिता शिवलाल शर्मा (23) निवासी कीटिया थाना उन्हेल नागेश्वर जिला झालावाड़ को देने जा रहे थे। मामले को पुलिस दोनों आरोपियों को भी गिरफ्तार किया था। चारो आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया था। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया जहां से सभी आरोपियों को चार दिन का रिमांड पुलिस को सौंपा है।

दोस्त के स्थान पर परीक्षा देने आया शख्स, स्कूल की छत से कूदकर भागा

माही की गूंज, रतलाम।

मध्य प्रदेश पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा में दूसरे परीक्षार्थी के नाम पर परीक्षा देने आया यूपी का फर्जी उम्मीदवार गिरफ्तार किया गया। रतलाम के एक एग्जाम सेंटर में बायोमेट्रिक मशीन पर जब परीक्षार्थी की उंगलियों के निशान नहीं मिले तो उसका रेटिना टेस्ट करवाया जा रहा था, मगर इससे पहले ही फर्जी परीक्षार्थी बिल्डिंग की पहली मंजिल से कूदकर भाग निकला। हालांकि, पुलिस ने पीछा करके अपराधी को धर दबोचा।

दरअसल, रतलाम से लगभग 28 किलोमीटर दूर सातरुंडा में मारुति स्कूल में आरक्षक भर्ती परीक्षा का परीक्षा सेंटर था। परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए प्रतियोगी उम्मीदवार एडमिट कार्ड और आधार कार्ड लाकर अपना सत्यापन करवाकर परीक्षा हाल में प्रवेश कर रहे थे। इसी बीच, उत्तर

प्रदेश के फिरोजाबाद का रहने वाला एक शख्स पुष्पेंद्र यादव (उम्र 20) अपने इटावा निवासी दोस्त राहुल यादव के दस्तावेज परीक्षा देने के लिए पहुंचा था। मगर कागजात वेरिफिकेशन तथा बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन के चलते संदेह होने पर पूछताछ की गई तो संदेही पुष्पेंद्र स्कूल की प्रथम तल की छत के ऊपर भाग गया तथा विद्यालय के पीछे के दरवाजे से नीचे कूदकर खेतों में निकला, जिसे पुलिस ने घेरा बंदी कर प्रीतम नगर लोचितारा गांव के आसपास पकड़ लिया।

वही पूछताछ में पुष्पेंद्र यादव ने बताया कि, वह राहुल यादव का दोस्त है। पैसों के लालच में राहुल यादव की जगह परीक्षा देने पहुंचा था। मगर परीक्षा में पहुंचने से पहले ही कागजात वेरिफिकेशन तथा बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन में पकड़ा गया। पकड़े गए अपराधी पुष्पेंद्र से पूछताछ के बाद अन्य अपराधी राहुल यादव भी धराड़ टोल के पास पकड़ा गया। अपराधी पुष्पेंद्र पिता राकेश यादव (उम्र 20) का पता इशकपुर, थाना नगला खंगर, जिला फिरोजाबाद तथा राहुल यादव पिता शिवराम यादव (उम्र 30) इटावा जिले के चंद्रपुर बकेवर का रहने वाला है। अपराधी पुष्पेंद्र यादव के पास से अपराधी राहुल यादव का प्रवेश पत्र, मार्कशीट एवं आधार कार्ड एवं आरोपी राहुल यादव के पास से पुष्पेंद्र यादव का मोबाइल तथा आईडी कार्ड बरामद किया गया।

सटोरियों के बॉस को थाना प्रभारी तोमर का भरपूर समर्थन

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

अकोदिया क्षेत्र का सट्टा किंग सफेद खादी की आड़ में अपना सट्टे का अवैध कारोबार चला रहा है। थाना प्रभारी अरविंद तोमर देख कर भी नजरअंदाज कर रहे है। इस सटोरिया के कारनामो ने कितने ही गांव में अपना नेटवर्क फैला रखा है। मगर पुलिस प्रशासन सब कुछ देख कर नजर अंदाज़ वाला खेल खेल रही है। जिससे कारण इस सटोरिए ने शहर व कई ग्रामीण क्षेत्रों में अपना मकड़ जाल फैला कर गांव की भोली भाली जानता की खून पसीने की कमाई को चट करने के लीये अकोदिया कै हर एक चोराहे पर व ग्रामीण क्षेत्रों कै गली मोहल्ले में अपने गुर्गे बैठा कर 1 रूपये के 140 व 1 एक रूपये 250 का लालच देकर भोली भाली जनता की मेहनत की कमाई को चट कर रहा है। जिसमे थाना प्रभारी अरविंद तोमर से लेकर थाने के कई पुलिस कर्मियों की शह पर ये सटोरिया अपना जाल बिछाया जा रहा है। जिसके चलते नव युवा भी इस गोरख धंधे में लिप्त होते जा रहें हैं। इन्हीं सटोरियों की वज़ह से हर चौराहे पर ये आस्माजिक तत्व मोबाईल कै माध्यम से सट्टा लिखते देखे जा सकतें है।

यहां लिखा रहा नेताजी का सट्टा

अकोदिया बस स्टैंड जाट पूरा, माता मंदिर के पीछे, झीन कालोनी, हनुमान मंदिर रोड़, कन्या शाला स्कूल कै पास, राठी कालोनी, बोलाई रोड़, रानी बडौद, हडलाय, जोड़,खाटसुर, निवालिया, सुंदरसी। इतनी जगह अवेध कार्यों की सूचना थाना प्रभारी को न होना या देखकर आंख में मिचौली का खेल खेलना कई सवाल खड़े करता है।

ये सारा का सारा खेल एक सफेद पोस नेता का है। आगमी अंक में उस नेता का चेहरा भी उजागर करेंगे ताकि जनता को इसकी नेता गिरी की आड़ में जो सट्टे का खेल चल रहा वो भी मालूम पड़ सके।

रेप के आरोपी को मिली 20 वर्ष जेल की सजा

माही की गूंज, मंदसौर। पॉक्सो एक्ट कोर्ट ने नाबालिग के साथ रेप के मामले में आरोप सिद्ध होने पर अपराधी को 20 वर्ष की जेल और अर्थदंड की सजा सुनाई। आरोपी दिनेश पिता रमेश गरवाल (27) निवासी मोरवनी जिला रतलाम को नाबालिग पीड़िता के साथ दुष्कर्म के अपराध में दोषी पाते हुए 20 वर्ष की जेल और जुर्माने की सजा सुनाई गई है। अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा ने बताया कि, दिनांक 13 जून 2022 को पीड़िता के पिता ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज करवाई थी कि उनकी नाबालिग बेटी को कोई व्यक्ति बहला फुसला कर ले गया है। मामले में पुलिस ने नाबालिग की तलाश करते हुए 4 जुलाई 2022 को धावडादेव की पहाड़ी जिला रतलाम से आरोपी दिनेश के कब्जे से बरामद किया। पीड़िता के बयान के आधार पर प्रकरण में आरोपी दिनेष गरवाल को आरोपी बनाया गया। मामले में विवेचना के बाद चलन शीट कोर्ट में पेश की गई। एक साल चली सुनवाई के बाद कोर्ट के आरोपी को दोषी पाते हुए 20 साल जेल और जुर्माने की सजा सुनाई है।

सप्तम दिवस स्नेह यात्रा ग्राम अमलावती से प्रारम्भ हुई

माही की गूंज, शाजापुर। म.प्र. जन अभियान परिषद् की स्नेह यात्रा ग्राम अमलावती से प्रारभ हुई। जहां लोगों ने परम पूजनीय महामंडलेश्वर का स्वागत किया एवं महिलाओ ने कलश यात्रा निकाल कर जयकारे लगाये। यात्रा में सैकड़ो ग्रामीणों की सहभागिता रही। महामंडलेश्वर ज्योतिर्मयानंद द्वारा विभिन्न स्थानों पर धर्मसभा के दौरान कहा कि हमें छुआछूत से दूर रहना होगा। माता-पिता की सेवा करना एवं धर्म की रक्षा के करना एवं नशे से दूर रहना होगा एवं कहा कि हम जातिगत भेदभाव एवं छुआछूत को छोड़कर अपने देश की सेवा करे। उन्होंने कहा कि, सनातन धर्म के लिए हम सभी का संगठित रहना बहुत जरूरी है क्योंकि आपके ही संगठित प्रयास से आज अयोध्या में भगवान श्री रामलला का मंदिर बन रहा है। आपके ही संगठित होने से देश में काशी विश्वनाथ कारीडोर, महाकाल कारीडोर और धार्मिक कार्यक्रम पूरे देश में आयोजित हो रहे हैं। यदि हम देश भक्त लोग सक्रिय नहीं होंगे तो धर्म विरोधीयो का षड्यंत्र हमें जातियों में बांट देगे। साथ ही नशामुक्ति, छुआछुत, जातिगत भेदभाव को ख़त्म करने हेतु महाराज द्वारा समस्त लोगो को शपथ दिलवाई एवं संगठित रहने की अपील की। यात्रा में धर्म सभा/जनसंवाद के बाद सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा महामंडलेश्वर जी को स्मृति चिन्ह भेट किया गया। स्नेह यात्रा आज ग्राम अमलावती से होते हुए ग्राम पेवची, कडवाला, मंडलखा, रूपाहेड़ी पहुची। जहां जनसंवाद के साथ रूपाहेड़ी में सत्संग कार्यक्रम एवं भोज हुआ एवं इसके पश्चात् यात्रा लाहरखेड़ा, चापड़िया पहुची, जहा यात्रा का भव्य स्वागत ढोल गाजे बाजे के साथ हुआ एवं भारी संख्या में जन सैलाब यात्रा में सम्मिलित हुआ। उसके पश्चात् यात्रा ग्राम अजनई, मोहम्मद खेड़ा, उचौद होते हुए मगरनिया पहुंचेगी।

बंदर की मौत के बाद दिया गया मृत्युभोज

माही की गूंज, शाजापुर।

यूं तो मानव समाज में किसी अपने के गुजर जाने के बाद अलग-अलग तरीकों से अंतिम कार्यक्रम आयोजित होता है। लेकिन मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले में हिंदू धर्म के रीति-रिवाज के अनुसार एक बंदर का दाह संस्कार किया गया।

यही नहीं, तेरह दिन बाद देवी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में आसपास के गांव के लोगों को भोजन कराया गया और बंदर की आत्मा शांति के लिए मौन धारण कर श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई।

जिले के लोंदिया गांव का यह मामला है। इस गांव में तेरह दिन पहले एक बंदर की कुत्तों के काटने से मौत हो गई थी। इसके बाद बंदर के शव को बाकायदा किसी मनुष्य के शव की तरह ही श्मशान घाट ले जाया गया और फिर पूरी परंपराओं के तहत उसका दाह संस्कार किया गया। तेरह दिन बीतने पर तेरहवीं का भी आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में हजारों लोगों को बुलाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि उनकी बंदर के प्रति गहरी आस्था रही है, जिसके चलते उन्होंने तेरहवीं का कार्यक्रम आयोजित किया।

बीमार पड़ा जिले का ये सरकारी अस्पताल, फिल्म नहीं कागज पर मिल रही एक्स-रे रिपोर्ट

माही की गूंज, शाजापुर।

प्रदेश के शाजापुर का जिला अस्पताल खुद बीमार है। इस अस्पताल में लिफ्ट तो है, लेकिन चलती नहीं। एक्स-रे मशीन लगी है, लेकिन रिपोर्ट बनाने के लिए फिल्म नहीं है। मजबूरी में लोग कागज पर एक्स-रे की रिपोर्ट निकलवाते हैं और यही रिपोर्ट डॉक्टर को दिखाकर अपना इलाज कराते हैं। पूछने पर रेडियोलॉजिस्ट ने बताया कि, एक्स-रे की फिल्म काफी महंगी आती है और कई वर्ष से सरकार ने इसके लिए बजट ही नहीं दिया।

यह स्थिति उस समय है जब शाजापुर समेत आसपास के तीन चार जिलों के मरीजों के लिए यही एक मात्र अस्पताल है। अस्पताल में चार पांच वर्ष पहले जो लिफ्ट लगी, वो अब तक एक दिन ही चली है। पहले ही दिन इसमें तकनीकी दिक्कत आने के बाद इसे बंद कर दिया गया। वहीं रेडियोलॉजी विभाग में पता चला कि एक्सरे फिल्म का बजट नहीं मिलने की वजह से कई साल से कागज पर ही रिपोर्ट दी जा रही है। इस संबंध में जब सिविल सर्जन डॉ. मैना से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि, उनकी ओर से किसी को मना नहीं किया गया है। जबकि एक्स-रे कक्ष में बैठे कर्मचारियों का कहा कि उन्होंने सिविल सर्जन ने मना किया है।

इसी क्रम में जब सिविल सर्जन डॉ. मैना ने कहा कि, दूसरे डॉक्टर इसके बारे में सब बता देंगे। उधर, अस्पताल के आरएमओ डॉक्टर सचिन नायक ने बताया कि, हॉस्पिटल में एक्सरे फिल्म पर भी दिए जाते हैं। हालांकि डॉक्टरों का एक ग्रुप भी बनाया गया है जिसमें डिजिटल एक्सरे के फोटो डॉक्टरों को व्हाट्सएप कर देते हैं। उन्होंने बताया कि, शाजापुर जिले के आसपास के 2 जिलों के भी मरीज उपचार के लिए यहां आते हैं। उन्होंने कहा कि बजट की भी दिक्कत है। इसकी वजह से चीजों को मेंटेन करना थोड़ा मुश्किल है।

एलएचबी रैक से चलेगी रतलाम-ग्वालियर और रतलाम-भिंड एक्सप्रेस

माही की गूंज, रतलाम।

यात्रियों को और अधिक आरामदायक व सुरक्षित यात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए पश्चिम रेलवे ने रेल मंडल से आरंभ होने वाली 11125/11126 रतलाम ग्वालियर एक्सप्रेस व 21125/21126 रतलाम-भिंड एक्सप्रेस के पारंपरिक रैकों को एलएचबी रैकों से बदलने का निर्णय लिया है। 11126 ग्वालियर-रतलाम एक्सप्रेस ग्वालियर से 25 अगस्त तथा 11125 रतलाम-ग्वालियर एक्सप्रेस रतलाम से 27 अगस्त से पारंपरिक रैकों के स्थान पर एलएचबी रैक से चलेगी।

इसी प्रकार 21126 भिंड-रतलाम एक्सप्रेस भिंड से 26 अगस्त तथा 21125 रतलाम-भिंड एक्सप्रेस रतलाम से 26 अगस्त से पारंपरिक रैक के स्थान पर एलएचबी रैक से चलेगी। इन दोनों ट्रेनों में एक फर्स्ट एसी, दो सेकंड एसी, तीन थर्ड एसी, सात स्लीपर व पांच सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे।

वन वे स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए वड़ोदरा और गुवाहाटी के बीच 24 अगस्त को वन वे स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। 09103 वड़ोदरा-गुवाहाटी वन वे सुपरफ़ास्ट स्पेशल 24 अगस्त को शाम 4.20 बजे चलकर दाहोद, रतलाम, नागदा एवं उज्जैन होते हुए 26 अगस्त को शाम सात बजे गुवाहाटी पहुंचेगी।

इन स्टेशनों पर ठहराव

वड़ोदरा से गुवाहाटी के मध्य यह ट्रेन गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, दमोह, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिक्की, पं. दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलीपुत्र, हाजीपुर, बरौनी, खगड़िया, कटिहार, न्यूजलपाई गुड़ी, न्यू कोच बिहार, न्यू बंगाई गांव, रंगिया व कामाख्या स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है।

आवासीय छात्रों के साथ अधीक्षक का पिता की तरह अटेच होना जरूरी

उत्कृट विद्यालय में 168 छात्रवासों के अधीक्षकों को कलेक्टर ने दी बदलाव की नसिहत

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने बुधवार को उत्कृष्ठ विद्यालय में जिले के समस्त छात्रावासों के अधीक्षकों को नसियत देते हुए कहा कि, आपके आश्रम या छात्रावास में जो भी बच्चें हैं उन्हें अपना बच्चा समझकर व्यवहार करें। आप सभी को बच्चों के अभिभावकों ने उनकी जिम्मेदारी सौंपी है। उस पर खरे उतरना आप लोगों की सफलता होगी। अधीक्षकों की जिम्मेदारी उन इनोसेंट बच्चों की है जिन्हें शासन द्वारा खाने पीने रहने और पढ़ने के लिए आप लोगों की देखरेख में रखा गया है। एक पालक की तरह अटेचमेंट होना चाहिए। इस दौरान जनजाति कार्य विभाग के सहायक आयुक्त श्री प्रशांत आर्य, श्री एबी गुप्ता उपस्थित रहें।

राशन की कमी नहीं कमी सोच की है

कलेक्टर वर्मा ने अधीक्षकों से कहा कि, राशन की कमी नहीं है। कमी तो आप लोगों की सोच की है। इसे कमाई का जरिया नहीं बनाएं। अपनी दृष्टि बदले और बच्चों के भविष्य बदलने में योगदान देंगे तो जीवन सार्थक होगा। छात्रावासों में रहने वाले हर बच्चें की छोटी-छोटी जरूरत पर आप लोगों की नजर होनी चाहिए। भोजन और नास्ता अनिवार्य रूप से दिया जाना चाहिए। दूध, सलाद, फल आवश्यक रूप से शामिल करें। जो भी सुविधाएं शासन ने निर्धारित की है वो सब छात्रों को मिलना चाहिए।

मप्र में सबसे अच्छे छात्रावास बनाने में मांगा सहयोग

कलेक्टर वर्मा ने कहा कि, मुझे प्रदेश में सबसे उत्कृष्ठ सुविधाओं वाले छात्रवास चाहिए। इस बदलाव में आप लोगों के बगैर संभव नहीं है। शिकायतें बहुत है अगर बदलाव नहीं हुआ तो आप लोगों को ही बदल दिया जाएगा। कलेक्टर वर्मा ने अधीक्षकों के ज्ञान स्तर को परखने के लिए पहले बॉडमास के दोहे के बारे में पूछा। उनके सवाल पर खामखेड़ा के अधीक्षक श्री पूनमचंद सोनी ने दोहा पढ़ा। इसके बाद सभी से गुरुत्वाकर्षण के तीन नियमों की जानकारी ली। किसी भी अधीक्षक ने तीन नियम नहीं बता पाए।

चंद्रयान-3 के चांद तक पहुँचने में गुरुत्वाकर्षण के नियमों का क्या सम्बन्ध

अधीक्षकों के साथ बैठक के पश्चात कलेक्टर वर्मा कक्षा 11वी और 12वी के छात्रों के बीच पहुँचे। यहां उन्होंने विद्यार्थियों को गणित में पायथागोरस प्रमेय के बाद त्रिकोणमिति और गुरुत्वाकर्षण के सवालों को हल करके उन्हें समझाया गया। इसके बाद उन्होंने चंद्रयान-3 के चाँद पर पहुँचने में गुरुत्वाकर्षण के नियमों के योगदान के बारे में बतलाया। साथ ही गुरुत्वाकर्षण के तीन नियम भी समझाए।

पेरालीगल वालेंटियर ओर पड़ोसियों की सूझबूझ से बुलेट बाइक चोरी होने से बचाई, चोर हुए फरार, सुचना पर पहुंची पुलिस

माही की गूंज, बड़वानी।

बुधवार रात्रि के समय एक महिला द्वारा अपनी सुझबुझ ओर निडरता से चोरी की वारदात को होने से रोकने का मामला सामने आया है। दरअसल बड़वानी शहर के वार्ड क्रमांक 7 मौलाना आजाद मार्ग बाबा रामदेव मंदिर क्षेत्र में मंगलवार-बुधवार दरमियान रात 3 बजे के दरमियान अज्ञात बदमाशों द्वारा स्थानीय एक व्यक्ति के घर के बाहर खड़ी बुलेट बाइक को चुरा कर ले जा रहे थे। तभी इसकी जानकारी स्थानीय रहवासी पेरालीगल वालेंटियर ओर सामाजिक कार्यकर्ता शैली सोलंकी को मिलने पर उन्होंने निडरता का परिचय देते हुए बुलेट बाइक को चुरा कर ले जा रहे चोरों का सामना किया। जिसमें वे सफल भी हो गई मगर वारदात को अंजाम दे रहे बदमाश इस दौरान निकल भागे। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता शैली सोलंकी ने इस घटना की जानकारी कोतवाली पुलिस को देने पर रात के समय पुलिस भी पहुंच गई। वहीं इस चोरी की घटना को घटित होने से रोकने का साहस दिखाने वाली महिला का बाइक मालिक बलराम शिंदे ने धन्यवाद दिया है।

औरंगपुरा सड़क निर्माण की गुणवत्ता जाँची

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने औचक रूप से औरंगपुरा सड़क निर्माण की गुणवत्ता को परखा। वे रहिमपुरा स्कूल में विद्यार्थियों को हॉकी और बॉल भेंट कर लौट रहे थे। निर्माण कार्य देखकर जब गाड़ी से उतरे तो ठेकेदार संतोष गुर्जर चौंक गए। कलेक्टर श्री वर्मा ने यहां गिट्टी, रेत और सीमेंट की क्वालिटी का भी परीक्षण कर जानकारी ली। कलेक्टर वर्मा ने ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण निर्माण के निर्देश देते हुए कहा कि इस सड़क को परखने के लिए विशेष मशीन बुलवाकर जांच की जाएगी। इससे पूर्व वर्मा ने रहिमपुरा माध्यमिक विद्यालय परिसर में ही स्थित संजीवनी क्लीनिक का निर्माण कार्य भी देखा।

सिंघाना से शुरू हुई स्नेह यात्रा का गांव-गांव हुआ भव्य स्वागत

माही की गूंज, धार।

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशन पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा निकाली जा रही स्नेह यात्रा का आगमन बुधवार को मनावर विकासखंड के ग्राम सिंघाना में हुआ। इस यात्रा में महामंडलेश्वर संत श्री नरसिंह दास जी महाराज, संत श्री जीवनदास जी महाराज, श्री रामचंद्र मिशन के हाकम सिंह ठाकुर, माँ गायत्री परिवार के प्रतिनिधि की उपस्थिति में यात्रा नगर भ्रमण कर गायत्री मंदिर पहुंची। सिंघाना में यात्रा का भव्य स्वागत किया गया संतों ने अपनी वाणी से संबोधित करते हुए सनातन धर्म की विशेषताओं को बताया। साथ ही बताया कि इस यात्रा के माध्यम से समाज को एक सुत्र में बांधने का प्रयास किया जा रहा है। आज के समय मे समाज बिखरता जा रहा है। आज की पीढ़ी सनातन धर्म

को भूलती जा रही है। आज की पीढ़ी अपने माता पिता को जो देव तुल्य है उन्हें भूलते जा रहे है। स्नेह यात्रा का उद्देश्य है सभी में स्नेह बना रहे। प्रेम बना रहे, एक दूसरे में टकराव न हो, सभी जाति के लोग साथ रहे। जात-पात का भेदभाव ना हो, बच्चों में संस्कार हो तभी हमारा आने वाला भविष्य हिंदू राष्ट्र, राम राज्य, वसुदेव कुटुंबकम का सपना साकार करेगा। स्नेह यात्रा सिंघाना से रणतला़व, भैसावद, भग्यापुर, चिकली, बीडपुरा, लुन्हेरा, देवरा, मोराड, बड़गांव पहुंची। बड़गांव में रात्रि विश्राम रखा गया है। साथ ही चिकली में संपूर्ण गांव के लोगों ने मिलकर सह भोज किया। इस स्नेह यात्रा में समस्त गायत्री परिवार सिंघाना मनावर के साथ जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक नवनीत रत्नाकर विकासखण्ड समन्वयक भुवान सिंह गहलोत समस्त नवांकुर संस्थाएं समस्त मेंटर्स की उपस्थित व ग्रामीणों के सहयोग से यात्रा संचालित हुई।

वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम हेतु महिला बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण सम्पन्न

माही की गूंज, बड़वानी।

मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया तथा अन्य वेक्टर जनित रोगों की जानकारी हेतु बुधवार 23 अगस्त को टीबी वार्ड के मीटिंग हॉल में जिला मलेरिया अधिकारी अब्दुल वसीम शेख एवं जिला व्ही.बी.डी. सलाहकार किरतसिंह कवचे व सहायक जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती लक्ष्मी गाडगे द्वारा महिला बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें जिला मलेरिया अधिकारी के द्वारा मलेरिया के लक्षणों व जाँच उपचार एवं रोकथाम के बारे में विस्तृत से जानकारी दी गई एवं मच्छरों के प्रजनन स्थलों तथा मच्छरों के लार्वा नष्टीकरण की जैसे सात दिवस में पानी की निकासी करना तथा जहाँ से पानी की निकासी सम्भव ना हो उस स्थान पर टेमोफोस या जला हुआ इंजिन का ऑइल या मिट्टी का तेल व घरों के पानी मे खाने वाला तेल डाले तथा लंबे समय तक भरे रहने वाले गड्डो में गंबूझिया मछली का संचयन करने के बारे में जानकारी दी गई।

जिला मलेरिया सलाहकार ने मलेरिया की दवा नीति 2013 की विस्तृत जानकारी देकर बताया कि, दवा नीति के अनुसार पूर्ण उपचार मरीज को दिया जाना चाहिए। साथ ही बताया कि कोई भी बुखार मलेरिया हो सकता हैं, इसलिए प्रत्येक बुखार के मरीज की जाँच करे एवं पॉजिटिव आने पर पूर्ण उपचार करें। अन्य वेक्टर जनित बीमारियों

के लक्षणों एवं उपचार व रोकथाम की विस्तृत जानकारी दी गई। बीमारियों के लक्षणों के आधार पर उपचारित करने की जानकारी दी गई। साथ ही बताया कि, किसी भी बीमारी के लक्षणों का पता चलते ही रेपिड फीवर सर्वे, लार्वा सर्वे, लार्वा नस्टिकरण स्पेस स्प्रे, फॉगिंग आदि कार्य कर नियंत्रण की कार्यवाही करवाये एवं अपने वरिष्ठ अधिकारीयों को सूचित करें ताकि प्रभावी नियंत्रण की कार्यवाही की जा सके। सभी प्रकार के मलेरिया डेंगू, चिकुनगुनिया के प्रोटोकॉल भी उपलब्ध करवाये गये हैं। सहायक जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा मलेरिया के सर्विलांस कार्य करने का तरीक़ा बताया गया है। जिससे हम मलेरिया, डेंगू व चिकुनगुनिया एवं अन्य वाहक जनित जैसी बीमारियों को नियंत्रित किया जा सकता हैं। इस दौरान मलेरिया विभाग के स्टाफ़ सुनील मोयदे, पंकज गुप्ता एमपीडब्ल्यू एवं अन्य स्टाफ़ उपस्थित थे।

चन्द्रयान-3 की सफल लेंडिंग पर मनाई खुशियां

माही की गूंज, अमझेरा (धार)।

भारत की बड़ी उपलब्धि चन्द्रयान-3 के सफलतापूर्वक चन्द्रमा पर उतरने की प्रक्रिया करने पर अमझेरावासियों के द्वारा खुशियां व्यक्त की गई। जिसके तहत जैसे ही चन्द्रयान चन्द्रमा पर उतरा वैसे ही गली-मोहल्लों और मुख्य मार्गो पर लोगो के द्वारा पटाखे छोड़े गये। वहीं बच्चों में भी खासा उत्साह देखा गया और एक-दुसरे को बधाई देते हुए भारतमाता के जयकारे लगाये गए।

परिवार में धन अल्प हो लेकिन प्रेम और सद्भाव अपार होना चाहिए

माही की गूंज, खरगोन।

बुधवार को स्नेह यात्रा भगवानपुरा से प्रारम्भ हुई। भगवानपुर से प्रारंभ होकर यात्रा धूलकोट पहुँची। यात्रा का भव्य स्वागत कार्यक्रम में स्वामी हरिओमानंद आनंद जी के सानिध्य में ग्रामीणों ने प्रवचन सुने। स्वामी ने कहा कि हमारे शरीर में हर एक अंग एक बहुत ज्यादा महत्व रखता है। इसी तरह समाज भी है, हर वर्ग महत्वपूर्ण है। कोई वर्ग अगर कार्य करना बंद कर दे तो व्यवस्थाएं भंग हो जाएगी। समाज अपने-अपने कर्तव्यों के पालन से चलता है। परिवार में धन भले ही अल्प हो लेकिन प्रेम और सद्भाव अपार रूप में होना चाहिए। सरपंच अगर सचिव की साइन सचिव अगर जनपद सीईओ के हस्ताक्षर करने लगे तो व्यवस्थाएं भंग हो जाएगी। इसी तरह प्रत्येक को अपना-अपना कार्य करना चाहिए। जब अन्य के कार्य में लोगों का हस्तक्षेप बढ़ा तो व्यवस्थाएं बिगड़ी है। इसके बाद यात्रा काबरी पहुंची। स्वागत और प्रवचन के बाद स्वामी जी ने स्थानीय नीतू वर्मा एक कहार परिवार में मक्का की रोटी व उढद की दाल ग्रहण की। परिवार में सब समाज एक का संदेश देते हुए

यात्रा मोहन पहुंची। जहां भव्य दिव्य स्वागत हुआ दोपहर विश्राम के बाद यात्रा जमोठी गोलवाड़ी पहुँची। ज्ञात हो कि मप्र शासन द्वारा 16 अगस्त से जिले में स्नेह यात्रा प्रारंभ हुई है।

छोटे-छोटे विवाद और मतभेद, भेदभाव का रूप ले लेते हैं

माही की गूंज, खरगोन।

मप्र शासन द्वारा गत 16 अगस्त से प्रदेश के सभी जिलों में एक साथ स्नेह यात्रा प्रारम्भ हुई। यात्रा में शामिल सन्त व स्वामी तथा सामाजिक संस्थाओं द्वारा गरीब व पिछड़ी बस्तियों में पहुँचकर उनके साथ आध्यात्मिक और सामाजिक तथा व्याहारिक संवाद कर प्रेम और सद्भाव फैलाने के बारे में संवाद चर्चाएं और स्वामियों के सानिध्य में आशीर्वाद प्राप्त कर रहे है। यह यात्रा खरगोन शहर से लगे गांव बड़गांव पहुँची। यहां यात्रा का ग्रामीणों ने ताशों के साथ फूल बरसाकर स्वागत किया। यह यात्रा कहीं बारिश की फुहारों तो कही झमाझम बारिश के बीच पर निरन्तर आगे चल रही है। मंगलवार को यात्रा के दौरान स्वामी हरिओमानंद आंनद ने बड़गांव में कहा कि मनुष्य का भाव और दृष्टि व्यावहारिक जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इन दो के कारण प्यार भी पनपता और नफरत भी दोनों सही जगह पर लुटाने पर जीवन सार्थकता की ओर बढ़ता है। आज छोटे-छोटे विवाद और मतभेद भेदभाव का भी रूप ले लेते हैं। इसलिए थोड़ा विचारे क्या आपका व्यवहार इस विषय पर या इस व्यक्ति या किसी भी व्यक्ति के लिए ठीक है ? इस भाव को जगाना चाहिए। भाव और दृष्टि को परखना चाहिए। जीवन सिर्फ नफरत के लिए नही है। यात्रा के दौरान जनअभियान परिषद के जिला समन्वयक विजय शर्मा साथ रहे।

संत तुलसीदास की जयंती मनाई

माही की गूंज, बड़वानी।

नर्मदा कॉन्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल बड़वानी में हिंदी साहित्य के महान कवि, संत, साहित्यकार एवं दार्षनिक के रूप में जाने वाले श्री तुलसीदास जी की 526 वी जयंती विद्यालय में प्रश्न मंच प्रतियोगिता आयोजित कर मनाई गई। जिसमें राम चरित मानस के सातों कांड के नाम पर टीमें बनाई गई। प्रश्न मंच में स्थानीय, जिला स्तर, प्रदेश, देश व रामायण, महाभारत पर आधारित प्रश्नों को पूछा गया और सबसे अधिक अंक प्राप्त कर अयोध्या कांड टीम विजेता व किष्किंधा कांड टीम उपविजेता रही।

इस अवसर पर संस्था संचालक राम यादव ने तुलसीदास जी के जीवन वृतांत को सुनाते हुए बताया कि, तुलसीदास जी ने जन्म से ही पहला शब्द राम बोला, इसलिए उनको राम बोला भी कहते है। उनके पिता का नाम श्रीधर व माता का नाम हुलसी था। उन्होंने कई पुस्तकों की रचना की। कई लोग उन्हे महर्षि वाल्मिकी का अवतार भी मानते थे। तुलसीदास जी ने रामचरित मानस की रचना अवधि भाषा में की। जिसे लिखने में लगभग 2 साल 7 माह 26 दिन का समय लगा था। चित्रकूट के राजापुर में उनका जन्म हुआ था और बताया कि उनका विवाह रत्नावली से हुआ था जो बहुत सुंदर कन्या थी। वह एक बार अपने मायके गई तो तुलसीदास अपनी पत्नि को देखने तथा मिलने अपने ससुराल चले गए, आँधी, तूफान की रात्रि के बावजूद भी उफनती गंगा नदी पार करने के लिए नदी में एक बहते हुए शव की मदद से पारहो गए और रात्रि में दीवार फाँद कर पत्नि से मिलने जा पहुँचे। रत्नावली ने जब उन्हें अचानक देखा तो वह क्रोधित हो गई क्योंकि वे दरवाजे से नही बल्कि दीवार फाँद कर आये थे और उसने क्रोधित होकर कहा कि-

लाज न लागत आपको, दौरे आयहु साथ,

धिक.धिक ऐसे प्रेम को, कहा कहहुं मैं नाथ,

अस्थि चर्ममय देह मम, ता में ऐसी प्रीती,

तैसी जो श्रीराममें, कबहू न होभय भीती।

अर्थात मेरे हाड़ मांस के इस शरीर से आपको इतना प्रेम है तो यह प्रेम राम नाम से किया होता तो आपका जीवन सफल हो गया होता। पत्नि के ये वचन सुनकर अन्तर्मन जाग उठा और वे तुरंत पत्नि को छोड़कर राम नाम की खोज मे निकल पड़े।

एक बार उन्हें अकबर ने अपनी प्रशंसा में लिखने को कहा तो उन्होंने मना कर दिया। इस पर उन्हें कारागार में डाल दिया। उन्होंने संकट मोचन हनुमान जी को याद किया तो 40 दिन बाद बंदरो ने अकबर के महल पर हमला बोल दिया और मंत्रियों ने अकबर को सलाह दी कि महाराज तुलसीदास जी को छोड़ दो और कारागार से मुक्त कर दिया। कहते है कि तुलसीदास जी ने राम-लखन व हनुमान जी के साक्षत दर्षन भी किए। इस अवसर पर सभी टीमों को प्राचार्या डॉ. विजयलक्ष्मी यादव ने पुरस्कृत किया व बधाई दी।

खेतों में सफेद मक्खी दिखे तो किसान भाई हो जाए सतर्क, पीला मोजेक रोग की आशंका

कृषि विशेषज्ञों ने किसानों के लिए जारी की एडवाइजरी

माही की गूंज, अलीराजपुर।

आगामी दिनों में जिले में उडद फसल बोनी उपरान्त पिछ्ले वर्षो की तरह पीला मोजेक एवं बीमारी का प्रकोप बढ़ सकता है। उड़द, मूंग एवं सोयाबिन में पीला मोजेक बीमारी के नियंत्रण हेतु विषेष सावधानी की आवष्यकता है। कृषक भाई अभी से सावधानी रखकर होने वाले नुकसान से बच सकते है।

पीला मोजेक के लक्षण

उडद फसल का यह प्रमुख रोग है जिसके उपज में बहुत अधिक हानी होती है ,रेग के प्रथम लक्षण पत्तियों पर गोलाकार पीले धब्बे के रूप में दिखाई देता है। ये दाग एक साथ मिलकर तेजी से फैलते है, जिससे पत्तियों पर पीले धब्बे के अलग-बगल दिखाई देते है। जो बाद में बिल्कुल पीले हो जाते है। नई निकलती हुई पत्तियों में ये लक्षण आरम्भ से दिखाई देते है। यह रोग सफेद मक्खी द्वारा फैलता है।

कृषकों के लिए पीला मोजेक के नियंत्रण हेतु सलाह

उडद, सोयाबीन व मूंग फसल में पीला रोग की आशंका जताई गई है। इस रोग की वाहक सफेद मक्खी यदि खेतों में दिखाई दे तो किसान भाई सर्तक हो जाये इसलिये फसलों की निगरानी करें और खेतो में पीला पौधा दिखाई देते ही तुरंत उसे नष्ट करें और इस रोग मक्खी नियंत्रण के उपाय करें। सफेद मक्खी के जरिये यह एक खेत से दूसरे खेतों तक फैलता है। और पौधें को बुरी तरह प्रभावित करता है। प्रारम्भिक अवस्था में ही अपने खेत में जगह -जगह पर पीली चिपचिपी ट्रेप लगाए जिससे इसका संक्रमण फैलाने वाली सफेद मक्खी का नियंत्रण होने में सहायता मिलें। खेत में सफेद मक्खी के नियंत्रण हेतु अनुषंसित पूर्व मिश्रित सम्पर्क रसायन जैसे बीटासायफलुथ्रिन इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हैक्ट.0) या पूर्व मिश्रित थायोमेथाक्साम, लेम्बडा सायहॅलोथ्रीन (125 मिली/हैक्ट0) का छिड़काव करें जिससे सफेद मक्खी के साथ साथ पत्तियों को खाने वाले कीटों का भी एक साथ नियंत्रण हो सके। उड़द एवं मूंग विषाणु जनित पीला मोजेक रोग सफेद मक्खी द्वारा फैलता है। इसके नियंत्रण के लिये बुवाई के 45 दिन बाद अवाई का छिडकाव करेंकिसान भाई इमिडाक्लोप्रिड 17.6 एस.एल. को 150 मि.ली. मात्रा अथवा ऐसिटसमिप्रिड की 150 ग्राम मात्रा को 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर के मान से फसल पर छिडकाव करें। कीटनाशक का छिड़काव शाम के समय करें। गर्मी में गहरी जुताई करें, जिससे वायरस नष्ट हो सकें। बीज को बोने के पूर्व बीज उपचार औषधि से उपचार कर ही बुवाई करे। प्रमाणित बीज ही बोने के लिये उपयोग करें। रोग अवरोधी फसलों का चयन कर बुवाई करें। घर का बीज बोने में उपयोग नही करें। रोगी पौधे खेत में दिखाई देने पर उखाड़ कर नष्ट करें। 2-3 सप्ताह में दिखाई देने लगता है। प्रारंम्भिक लक्षण पत्तियों पर पीलापन होने लगता है।

सफेद मक्खी

यह किट अपनी लार से विषाणु पौधे पर पहुचता है जिसे पीला मोजेक नामक बीमारी फैलाने का कार्य करती है यही कारण है कि यह अत्यंत हानिकारक कीट सिद्व होते है।

पीला मोजेक का नियंत्रण शुरू होते ही प्रारम्भ कर देना चाहिये। पीला मोजेक रोग ग्रस्त पौधे को उखाड़कर नष्ट कर दे तथा फसल को डायमेथोएट 30 ई.सी. 2 मि.ली./लीटर पानी के साथ घोलकर छिडकाव करें, यह विषाणु पीला मोजेक का प्रभावी उपचार है। अतः केवल स्वस्थ पौधों को इस रोग के प्रकोप से बचाकर ही इस बीमारी की रोकथाम की जा सकती है। यहा तक की कम संख्या में भी यह किट अत्यन्त हानिकारक है। सफेद मक्खी द्वारा इस फसल में 10 से 40 प्रतिशत तक उपज में कमी दर्ज की गई है।

श्रावण के सातवें सोमवार को उमड़ी शिवालय में भीड़, पूजा अर्चना कर की महाआरती

माही की गूंज, आम्बुआ।

हथनी नदी तट पर विराजित कलाधिपति भूत भावन भोले शंकर के शिवालय में सावन महीने के सातवें सोमवार को पूजा अर्चना करने वालों की भीड़ रही। इसी समय मंशा महादेव तथा पशुपति नाथ के व्रत धारी महिलाओं ने पूजा की। संध्याकाल में महाआरती कर महा प्रसादी वितरित की गई यहां के अतिरिक्त इंदिरा आवास, पुलिस थाना प्रांगण, गांधी आश्रम चौराहे पर स्थित शिवालयों में भी विशेष पूजा की गई।

इस वर्ष अधिक मास का श्रावण होने से 4 के स्थान पर 8 सोमवार आ रहे हैं। श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार का विशेष महत्व होता है। सातवा सोमवार तथा मंशा महादेव एवं पशुपतिनाथ व्रत होने से शिवालयों में महिला श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। शाम को 8 बजे शिवालयों में महाआरती की गई तथा भोलेनाथ के भजन कीर्तन किए गए। आम्बुआ के बाल शिव भक्त मंडल द्वारा भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई जिसकी सर्वत्र सराहना की जा रही है भोलेनाथ का आकर्षक श्रंगार किया गया।

भावना गोहिल ने प्राथमिक अध्यापक के पद पर नियुक्ति पाकर अपनी प्राथमिक शिक्षिका का किया सम्मान

माही की गूंज, बरझर।

नवीन शिक्षक भर्ती में चयनित भावना रमणलाल गोहिल ग्राम-बोरकुंडिया ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा को याद कर ग्राम बरझर स्थित न्यू आदर्श विद्या मंदिर पहुंचकर अपनी प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षिका तथा विद्यालय संचालिका वीणा गुप्ता का शाल व श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। स्कूली बच्चों के बीच भावना रमणलाल गोहिल ने अपनी शिक्षिका का सम्मान करते हुए कहा कि, 20 वर्ष पूर्व ग्राम बरझर जैसी छोटी-सी जगह में न्यूनतम शुल्क पर शिक्षिका वीणा गुप्ता ने हमें जो प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा दी, उसी के परिणाम स्वरूप मैं स्वयं नवीन भर्ती में चयनित होकर आज शिक्षक के पद पर अपने विद्यालय में पवित्र शिक्षा देने काम कर रही हूं। स्वयं प्रेरित होकर मैं अपनी प्राथमिक शिक्षिका का सम्मान कर अपने आपको गौरांवित महसूस कर रही हूं।

संस्था संचालक वीणा गुप्ता, संस्था प्रधान गौरव गुप्ता ने भावना गोहिल की भावना का सम्मान करते हुए विद्यालय की पूर्व छात्रा का आभार व्यक्त किया। गौरवतलब हैं कि, इसी विद्यालय से प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा पूर्ण करने वाले कई विद्यार्थी वर्तमान में एमबीबीएस, इंजिनियर, शिक्षक सहित कई उच्च पदों पर कार्य कर रहे हैं।

मक्का मदीना शरीफ़ व उमराह के लिए यात्री हुए रवाना

माही की गूंज, जोबट।

मक्का मदीना शरीफ़ के लिए 22 दिवसीय इबादत टूर जोबट से 22 अगस्त दोपहर बाद उमराह के लिए महिला-पुरुष सहित 36 यात्री बम्बई के लिए रवाना हुए। ये सभी यात्री झाबुआ, रानापुर, जोबट, बोरी व जबलपुर से जाहिरन मक्का मदीना शरीफ़ में इबादत करने पहुचेगे। बम्बई एयरपोर्ट से 23 अगस्त की सुबह करीब 11 बजे इन्होंने जद्दा के लिए उड़ान भारी जो देर शाम तक जद्दा एयरपोर्ट पर उतरें। वहां से मक्का मदीना के लिए लिए बस से रवाना होंगे। मक्का शरीफ़ 12 दिन इबादत कर मदीना शरीफ के निकलेंगे। जहां 10 दिनों तक इबादत-अरकान कर 13 सितम्बर को बम्बई एयरपोर्ट पर सभी यात्री वापसी करेंगे, जहां से एसी कोच बस से जोबट पहुंचेंगे।

सड़क की साइड पट्टी टूटी, जगह-जगह गड्ढे होने के बाद भी वाहन चालकों को देना पड़ रहा है महंगा टोल

टोल कंपनी के कर्मचारी-अधिकारी करते है निजी कामो के लिए टोल एम्बुलेंस वाहन का इस्तेमाल

माही की गूंज, अलीराजपुर। फिरोज पठान

खंडवा-वड़ोदरा स्टेट हाईवे की हालत खराब होने, सड़क की साइड पट्टी टूट जाने और खंडवा-वड़ोदरा स्टेट हाईवे पर महंगा टोल देने के बाद भी सड़क की देखरेख ठीक से नहीं की जा रही है। इतना ही नहीं टोल पर्ची को लेकर भी सवाल उठ रहे है। इसको लेकर जिम्मेदार अधिकारी फोन तक नही उठा रहे है। हालांकि अब भी झाड़ियों के कारण सड़क की साइड में लगाए गए संकेतक भी कई किलोमीटर तक नजर ही नही आते तो कुछ संकेतक क्षतिग्रस्त हो गए हैं। खराब सड़ के कारण वाहन चालकों को हादसे का अंदेशा बना रहता है। रोजाना टोल से अवरलोड वाहन निकलते रहते है जिससे जगह-जगह गड्ढे पड़ गए है। आए दिन इस टोल नाके से कई वाहन चालको को दुर्घटना का सामना करना पड़ा व कई घर बेघर हो गए। वहीं टोल कंपनी के कर्मचारी-अधिकारी भी प्रशासन की लापरवाही का फायदा उठाते हुए निजी कामो के लिए टोल एम्बुलेंस वाहन का इस्तेमाल करते है। सड़के मिट्टी में धंस रही है। प्रदेश सरकार से मेंटेनेंस के नाम में से आई राशि की भी बन्दर बाट कर टोल कम्पनी के अधिकारी सरकार को गुमराह कर रहे है।

4 राज्यों में सिर पर 82 लाख का इनाम, 60 से ज्यादा केस

भोपाल।

मध्य प्रदेश समेत 4 राज्यों में वांटेड 62 वर्षीय नक्सली को एटीएस ने गिरफ्तार किया है। नक्सली पर कुल मिलकर 82 लाख का इनाम घोषित था। सूबे के एंटी टेरर स्क्वाड ने जबलपुर शहर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि खूंखार नक्सली अब तक मध्यप्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में 60 से अधिक आपराधिक वारदात को अंजाम दे चुका है।

मंगलवार को गिरफ्तारी के बाद पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एक आधिकारिक सूचना में बताया गया कि आरोपी नक्सली अशोक रेड्डी पर तेलंगाना, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में 82 लाख रुपये का सामूहिक इनाम था। खुफिया जानकारी के आधार पर गोलकुंडा (तेलंगाना) निवासी रेड्डी और नारायणपुर (छत्तीसगढ़) निवासी उसकी पत्नी रायमती उर्फ कुमारी पोटाई (43) को मंगलवार को जबलपुर से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया 62 वर्षीय नक्सली रेड्डी के खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास, डकैती, दंगा, पुलिस पर हमला, अपहरण, आगजनी और विस्फोटक अधिनियम, शस्त्र अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत उपरोक्त 4 राज्यों में 60 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं।

गिरफ्तार नक्सली और उसकी पत्नी के पास से जिंदा कारतूस, पिस्तौल, 3 लाख रुपये नकद और सीपीआई (माओवादी) किताबें बरामद किया गया है। रेड्डी प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) की दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी का सदस्य था। पुलिस ने बताया कि रेड्डी की पत्नी नक्सली साहित्य से संबंधित काम, पर्चे और पोस्टर छापना, संगठन की प्रेस विज्ञप्ति जारी करना आदि देखती थीं।

हालांकि पुलिस ने बताया है कि रेड्डी का मुख्य क्षेत्र तेलंगाना और छत्तीसगढ़ था, लेकिन मध्य प्रदेश में नक्सली कैडर और नेटवर्क को मजबूत करने में इन नक्सलियों के शामिल होने की पूरी संभावना है।

गिरफ्तारी के बाद, गिरफ्तार जोड़े के खिलाफ भोपाल के एटीएस पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम और यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि नक्सली नेटवर्क और मॉड्यूल के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए आगे की जांच जारी है।

नाग पंचमी का पर्व पर पूजा अर्चना कर की सुख-समृद्धि की प्रार्थना, दोनों मंदिरों में की गई पूजा

माही की गूंज, आम्बुआ।

सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाए जाने वाला नाग पंचमी पर्व आम्बुआ तथा आसपास के क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ विधि-विधान के साथ मनाया गया।आम्बुआ कस्बा में स्थित नाग मंदिर में सुबह से महिलाओं की भीड़ लग गई। सावन मास का सोमवार होने से शिव मंदिर में पूजा अर्चना के बाद नाग मंदिर ने पूजा अर्चना की गई। पुलिस थाना प्रांगण में स्थित श्री त्रिलोचन नाग मंदिर में भी पुलिस परिवारों के साथ-साथ आश्रम तथा कस्बा क्षेत्र एवं बोरझाड़ से महिलाओं ने पूजा-अर्चना की इस मंदिर का विशेष रूप से विद्युत सज्जा के साथ सजाया गया। स्मरण रहे कि, इस मंदिर का निर्माण तत्कालीन थाना प्रभारी रहे विकास कपीस द्वारा कराया गया था। विगत वर्षों से नाग पंचमी पर यहां विशेष पूजा अर्चना की जाकर परिवार में खुशहाली की कामना की जाती है।

भाजपा प्रत्याशियों की पहली सूची जारी होने के बाद गरमाई राजनीति, आरोप-प्रत्यारोप का दौर अभी से चरम पर

भाजपा खेमें में प्रत्याशी को लेकर विरोध, तो बागियों की भी हो सकती है भरमार

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। मध्यप्रदेश अब चुनावी समर की ओर चल पड़ा है। आने वाले विधानसभा चुनावों के लिए जोर-शोर से तैयारियां शुरू हो चुकी है, तो भाजपा ने प्रत्याशियों की पहली सूची भी जारी कर दी है। इस सूची के जारी होते ही राजनीति जमकर गरमा गई है। चुनावी समर की यह गरमाहट मध्यप्रदेश के पश्चिमी जिले झाबुआ-आलीराजपुर में भी महसूस की जा रही है। कहीं विरोध तो कहीं आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। कहीं अंतर कलह देखने को मिल रही है तो कहीं राजनीतिक पार्टियों के एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप सुनाई दे रहे है। कुल मिलाकर जिले की फिजाओं में राजनीतिक गर्माहट जमकर महसूस की जा रही है।

भाजपा केंद्रीय समिति ने विधानसभा चुनाव प्रत्याशियों की पहली सूची लगभग तीन महीने पहले ही जारी कर दी है। इस सूची में वे सीटें है, जहां भाजपा पहले भी हार का सामना कर चुकी है। कई सीटों पर लगातार दो बार भाजपा को पराजय का सामना करना पड़ा है। भाजपा द्वारा इतनी जल्दी सूची जारी करने के पीछे कई कारण बताए जा रहे है। एक बड़ा कारण जो बताया जा रहा है वह यह कि, समय पर तैयारियां कर ली जाए और नाराज हुए लोगों को मना लिया जाए। जिसके बाद पूरी तरह से चुनाव जीतने पर ध्यान दिया जाए। मगर यह भविष्य के गर्त में है कि, भाजपा अपनी रणनीति में कहां तक कामयाब होगी।

तीन सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा झाबुआ-आलीराजपुर जिले की पांच सीटों में से भाजपा ने तीन सीटों पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। जिसमें झाबुआ से भानु भूरिया, पेटलावद से निर्मला भूरिया और आलीराजपुर से नागरसिंह चौहान के नाम पर मुहर लगी है। तीन नामों में से दो नाम तो बहु चर्चित है। जिसमें पहला पेटलावद से निर्मला भूरिया जो कि सातवीं बार चुनाव मैदान है। दूसरा आलीराजपुर से नागरसिंह चौहान है जो इस बार पांचवी बार चुनावी समर में मैदान में है।

सातवीं बार वही चेहरा

पेटलावद क्षेत्र से निर्मला छः बार चुनावी समर में उतरी और चार बार की विधायक रही। दो बार इन्हे हार का सामना करना पड़ा। अब वे सातवीं बार इसी क्षेत्र से चुनावी मैदान में है। मगर यहां अब की बार यह कितनी सफल होंगी यह भविष्य के गर्त में है। क्योंकि इन्हे अब तक जो फायदा मिलता आया है वह अपने पिता दिलीपसिंह भूरिया के नाम का मिला है। इनकी अपनी पृष्ठभूमि कोई ज्यादा अच्छी नहीं है। अपने ही क्षेत्र में निष्क्रियता इसका एक बड़ा कारण है। इसके अलावा आम कार्यकर्ताओं से दूरी और कुछ खास लोगों के आसपास ही इतनी राजनीति मंडराती रही है।

पांचवी बार वही चेहरा

आलीराजपुर से नागरसिंह चौहान भाजपा की ओर से इस बार मैदान में है। काफी मजबूत पकड़, अच्छा राजनीतिक वर्चस्व और पांचवी बार विधायक के लिए मैदान में है। लगातार तीन बार विधायक रह चुके है। हालांकि आलीराजपुर के कुछ क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं की नाराजगी जरूर है लेकिन यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं माना जा सकता।

घोषणा के बाद झाबुआ में उथल-पुथल

इस चुनावी समय में भाजपा ने जिन तीन सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए है उनमें झाबुआ काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। झाबुआ से भाजपा ने भानू भूरिया को प्रत्याशी घोषित किया है। प्रत्याशी घोषित होने के बाद से ही झाबुआ विधानसभा सीट पर खलबली मच गई है। कारण यह है कि, झाबुआ विधानसभा के लिए दावेदारों की एक लंबी फहरिस्त थी जो सूची जारी होने के बाद बगावती सुर में नजर आ रही है। भानू भूरिया का नाम तय होते ही भाजपा में अंतर कहल की शुरूआत हो चुकी है। भाजपा के पहले से बागी हुए नेता और अधिक बागी हो गए। घोषणा के बाद भानू भूरिया जब पहली बार झाबुआ आए तो उनका गर्म जोशी से स्वागत किया गया। इस स्वागत कार्यक्रम में वे नेता नदारद दिखाई दिए जो विधानसभा के लिए अपनी दावेदारी रखने वाले थे। इसके अलावा इसी दिन पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष धनसिंह बारिया ने सोशल मीडिया पर खुले तौर पर भानू भूरिया का विरोध करते हुए पार्टी पर परिवारवाद का आरोप लगा दिया और खुद ने विधानसभा चुनाव लडने़ की घोषणा भी सोशल मीडिया पर कर दी। हालांकि गत वर्ष हुए नगरपालिका चुनाव में भी धनसिंह बारिया ने पार्टी से बगावत करते हुए पार्टी द्वारा तय प्रत्याशी के विरूद्ध जाते हुए अपनी पत्नी का नामांकन नगरपालिका अध्यक्ष के लिए भर दिया था। जिसके बाद पार्टी ने बारिया दंपत्ती को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। धनसिंह के इस दोहरे बगावती सुर को भाजपा किस तरह से लेगी यह तो समय ही तय करेगा।

भाजपा में भाजपाई प्रत्याशी का भाजपाई विरोध

इधर 21 अगस्त को झाबुआ विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी के रूप में जिलाध्यक्ष भानू भूरिया का नाम घोषित होने के बाद पांचवे दिन भाजपा के ही कार्यकर्ता कई युवा बगावती तेवर दिखाते हुए सड़क पर उतर गए। उन्होने एक हाथ में पार्टी का झंडा पकड़ा था तो दूसरे हाथ में एक तख्ती पकड़ी हुई थी। जिसमें लिखा था भानू भूरिया हटाओ-झाबुआ सीट बचाओ। इन कार्यकर्ताओं की एक ही मांग थी कि, भानू भूरिया की जगह किसी और को पार्टी प्रत्याशी बनाए। हालांकि भानू भूरिया ने इस प्रदर्शन को पर्दे के पीछे बैठे कुछ विरोधियों की साजिश करार दिया। भानू का कहना था कि, भाजपा कार्यकर्ता बहुत ही अनुशासित है, वह इस तरह सड़कों पर नहीं उतर सकते। पर्दे के पीछे बैठे विरोधी समय के साथ बेनकाब हो जाएंगे। कुल मिलाकर भाजपा में भाजपाई प्रत्याशी का भाजपाईयों ने ही विरोध कर दिया। किसी और प्रत्याशी को टिकट तो पूरा समर्थन

भाजपा की पहली सूची में झाबुआ विधानसभा के लिए भानू भूरिया का नाम घोषित किया गया। जबकि भाजपा के कई अन्य नेता भी टिकट की दौड़ मे थे, तो विरोध के स्वर उठना तय था। हालांकि कोई भी खुलकर सामने नहीं आया पर चार दिन बाद सोमवार को इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन जरूर हुआ। नाराज कार्यकर्ताओं ने मंडी परिसर में एकत्रित होकर शहर भर में वाहन रैली निकालते हुए नारे बाजी की कि, भानू भूरिया हटाओ-झाबुआ सीट बचाओ। रैली शहर भर में घूमने के बाद राजगढ़ नाका पर आकर समाप्त हुई। हालांकि इस रैली में कोई बड़ा नेता तो नजर नहीं आया लेकिन रमेश हटीला और वार्ड क्रमांक 14 के जनपद सदस्य कमल डामोर ने बताया कि, पहले से जिस व्यक्ति के पास तीन-तीन पद है, पार्टी ने उसे उम्मीदवार बनाया है इसी बात को लेकर हमारा विरोध है। पार्टी यदि किसी और प्रत्याशी को टिकट देती है जो उसे हमारा पूरा समर्थन रहेगा।

मेरा व्यक्तिगत विरोध मुश्किल

हालांकि इस घटना में भी पेंच फिर मंगलवार को सामने आया। भानू भूरिया ने अपनी फेसबुक आईडी से फोटो सहित एक पोस्ट करते हुए बताया कि, मेरा व्यक्तिगत विरोध बहुत मुश्किल है। सोमवार को पूरे प्रायोजित तरीके से स्वार्थ सिद्ध करने वाली प्रवृत्ति के लोगों ने जो भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा टिकट का वितरण किया उसके खिलाफ फर्जी रैली निकाली। उसी रेली में शामिल रमेश हटिला से आज कल्याणपुरा में मुलाकात हुई और उन्होने जिसने बुलाया उसका नाम ना बताने की शर्त पर बताया कि, गुमराह करके हमें बुलाया गया था। हम भाजपा के साथ है।

जिलाध्यक्ष का स्वागत, उम्मीद्वार का नहीं

इसके उलट मंगलवार को रमेश हटीला ने फिर एक बयान देते हुए यह बताया कि, कल्याणपुरा में मंडल की बैठक हुई थी। मंडल के माध्यम से ही हम इस बैठक में पहुंचे थे। वहां हमने भानू भूरिया का जिलाध्यक्ष के रूप में माला पहनाकर स्वागत किया है। उम्मीदवार के नाते हमने यह स्वागत नहीं किया है। कुल मिलाकर झाबुआ विधानसभा के लिए भाजपा में उपजे इस अंतः कहल को शुरूआती दौर में साफ तौर पर देखा जा रहा है। अब भाजपा इससे निपटने में कितनी सफल होती है यह आने वाला वक्त ही बताएगा।

कांग्रेस ने लगाई आरोपों की झड़ी

इधर भाजपा प्रत्याशियों की सूची जारी होने के बाद झाबुआ से भानू का नाम आते ही कांग्रेस ने भी आरोपों की झड़ी लगा दी है। बीते शुक्रवार को यूथ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने प्रेसवार्ता करते हुए भानू भूरिया पर कई गंभीर और सीधे आरोप लगाए है। डॉ. विक्रांत भूरिया ने प्रेसवार्ता में भानू भूरिया पर आरोप लगाते हुए कहा कि, वे अवैध शराब, नशे के कारोबार में संलिप्त है और सप्लायरों को इनका खुला संरक्षण है। वे अधिकारियों -कर्मचारियों से वसूली का काम करते है। विक्रांत भूरिया ने बताया कि, कल से उनके पास कई भाजपाईयों के फोन आ चुके है। वे कह रहे है कि, भाजपा यहां भानू जनता पार्टी बनकर रह गई है। खुद जिलाध्यक्ष, पत्नी जनपद अध्यक्ष और आईटीडीपी अध्यक्ष है और अब प्रत्याशी भी भानू भूरिया ही है। डॉ. विक्रांत ने कहा कि, भानू मेरी डिग्री मांग रहे थे, जब चुनौती स्वीकार की तो सामने नहीं आए। भाजपा ने इतनी जल्दी प्रत्याशियों की सूची जारी की है। ये वही सीटें हैं, जहां भाजपा पहले भी हार चुकी है, और अब भी खुद को हारा हुआ मानकर चल रही है।

विक्रांत भूरिया ने लगाये आरोपो को वह साबित कर दे तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा

हालांकि डॉ. विक्रांत की प्रेसवार्ता में लगाए गए आरोपों के बाद भानू भूरिया ने कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। भानू भूरिया ने कहा कि, विक्रांत भूरिया अगर कांतिलाल भूरिया के पुत्र है तो वह सीधे राणापुर आ जाएं और मुझे बताए कि, कहां पर ड्रग्स माफिया है और कहा पर ड्रग्स बेची जा रही है और इसमें भानू भूरिया का हाथ है। उन्होने कहा कि, यदि विक्रांत भूरिया ने इसमें मेरा नाम साबित कर दिया तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा और अगर विक्रांत भूरिया साबित नहीं कर पाए तो उन्हे झाबुआ जिला छोडऩा पड़ेगा। उन्होने कहा कि, मैं विक्रांत भूरिया के इस बेतुके बयान का घोर विरोध करता हूं और इस मामले में विधि सलाह लेकर मानहानी का दावा करूंगा और उनके खिलाफ एफआईआर भी करवाउंगा। भानू ने कहा कि, ये मेरी साफ-सुथरी छवि को धुमिल कर बदनाम करने की कोशिश है, क्योंकि इन्हे आगामी चुनाव में हार सामने दिख रही है। कांग्रेस नेता भाजपा प्रत्याशियों के नाम घोषित होने से सदमे में आ गए है। इसी के चलते उलूल-जुलूल बयानबाजी कर रहे है।

कांग्रेस लगभग अपने सभी पुराने चेहरों के साथ

कुल मिलाकर विधानसभा चुनावों के तीन माह पहले से ही जिले की राजनीति गरमाई हुई है। भाजपा को अंतः कलह और कांग्रेस दोनों से ही पार पाना है। भाजपा प्रत्याशियों के सामने कांग्रेस की स्थिति में कुछ खास परिवर्तन देखने को शायद ही मिले, क्योंकि झाबुआ-आलीराजपुर की इन तीनों सीटों पर विधायक वर्तमान में कांग्रेस के ही है और यही प्रत्याशियों के रूप में सामने आने की संभावना भी है। यानि कांग्रेस लगभग अपने सभी पुराने चेहरों के साथ होगी, तो भाजपा ने झाबुआ-आलीराजपुर की पांच सीटों में से तीन पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए है। बाकी बची दो सीटों थांदला और जोबट की स्थिति अभी साफ नहीं है। इन दोनों सीटों पर भी एक से अधिक भाजपा नेता दावेदारी करते दिखाई पड़ रहे है। इन दोनों सीटों पर पार्टी से नाम आने तक थांदला में कलसिंह भाबर की साख पर और जोबट में विशाल रावत के भविष्य पर तलवार लटकी हुई दिखाई पड़ रही है।

प्रशासन की मिली भगत से फर्जी डाक्टर खेल रहे आमजन के साथ मौत का खेल

जिला स्वास्थ्य विभाग आंखें मूंद कर बैठा, कार्रवाई के नाम पर हो रहा तमाशा

माही की गूंज, झाबुआ। मुजम्मिल मंसूरी

पिछले दिनों थांदला के एक फर्जी नर्सिंग होम में एक बालिका की मौत का मामला सामने आया था। जिसके बाद बालिका के परिजनों ने हंगामा खड़ा कर दिया था। काफी गहमा-गहमी के बाद डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो पाई। एफआईआर में डॉक्टर का नाम ना दर्ज करने को लेकर भी विवादित स्थिति बनी तो जनप्रतिनिधियों के दबाव के बाद डॉक्टर का नाम एफआईआर में दर्ज किया गया। घटना के करीब 18 घंटे बाद आमजन और मीडिया के दबाव में आकर जिला स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए फर्जी नर्सिंग होम को सील कर दिया। इस सारे घटना क्रम ने एक बात तो खुले तौर पर साफ कर दी कि, प्रशासन की मिली भगत से फर्जी डॉक्टर आमजन के साथ मौत का खुला खेल खेल रहे है। बावजूद इसके जिला स्वास्थ्य विभाग आंखे मूंद कर बैठा है और कार्रवाई के नाम पर सिर्फ तमाशा किया जा रहा है।

थांदला के मुख्य मार्ग एमजी रोड स्थित सांई नर्सिंग होम में ग्राम वालाखोरी की बालिका पायल पिता राजू मईड़ा को परिजन शनिवार को बुखार आने पर सांई नर्सिंग होम में इलाज के लिए लेकर आए थे। जहां डॉक्टर फौजमल नायक ने जांच कर बताया कि, लड़की को चार दिन भर्ती करना पड़ेगा। जब परिजन लड़की को भर्ती कर उसकी मां को उसके पास छोड़कर घर चले गए थे। रविवार सुबह आकर डॉक्टर नायक से बालिका के स्वास्थ्य के बारे में पूछा तो डॉक्टर ने तबियत में सुधार होना बताया। किंतू रविवार शाम को लड़की की तबियत ज्यादा खराब हो गई। उसकी हालत को देखते हुए डॉक्टर नायक ने परिजनों के आने का इंतजार न करते हुए एक निजी वाहन से लड़की व उसकी मां को जीवन ज्योति हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया। लेकिन हास्पिटल पहुंचने से पहले ही बालिका ने वाहन में दम तोड़ दिया। जब यह जानकारी परिजनों को लगी तो सभी सांई नर्सिंग होम के बाहर एकत्रित हो गए और भारी हंगामा मचाया, जिसमें डॉक्टर और परिजनों के बीच हाथापाई हो गई। हंगामें के बाद परिजन थाने पहुंचे जहां उन्होने हास्पिटल संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने भी नर्सिंग होम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की किंतू उसमें नर्सिंगहोम संचालक का नाम नही लिखा। जिससे आक्रोशित परिजन सोमवार सुबह जनप्रतिनिधियो कें साथ थाने पहुंचे और एसडीओपी से मुलाकात कर रिपोर्ट में हास्पिटल संचालक डॉ. फौजमल नायक का नाम जोडने़ के लिए दबाव बनाया तब कहीं जाकर पुलिस ने एफआईआर में नायक का नाम दर्ज किया गया।

डीग्री बीएचएमएस की और इलाज एलोपैथी पद्धति से...?

बताया जाता है कि, सांई नर्सिंगहोम का संचालक डॉक्टर फौजमल बीएचएमएस की डीग्री लेकर एलोपैथी पद्धति से मरीजों का इलाज करता है। अवैध रूप से संचालित इस सांई नर्सिंग होम में हुई बालिका की मौत ने स्वास्थ्य विभाग की पोल खोलकर रख दी। घटना के बाद हुई जांच में कई चौकाने वाले खुलासे हुए जिसमें स्वास्थ्य विभाग की मिलीभगत खुले तौर पर सामने नजर आ रही है। स्वास्थ्य विभाग के सीएचओ पठान के मुताबिक प्रारंभिक जांच में डॉक्टर फौजमल नायक के पास बीएचएमएस की डिग्री मिली तथा नर्सिंगहोम का रजिस्ट्रेशन उन्ही के नाम पर पाया गया। बिल्डिंग में मरीजों को भर्ती करने के लिए बैड लगाए हुए है। अवैध रूप से एक लेबोरेटरी भी संचालित की जा रही थी। ऑपरेशन के लिए ओटी भी बना रखा था। एक मेडीकल भी संचालित किया जा रहा था जिसमें एलोपैथी दवाइयां भी पाई गई है। जांच के बाद नर्सिंगहोम को सील कर दिया गया है।

पठान ने बताया कि, नर्सिंग होम में ओपीडी रजिस्टर, भर्ती रजिस्टर भी नहीं है। मृत बालिका के उपचार संबंधी दस्तावेज भी गायब कर दिए गए थे। मौके से सीसीटीवी, सीडीआर तथा कई दस्तावेज भी जप्त किए गए है। फिलहाल डॉक्टर फौजमल फरार है।

इस तरह के कई मामले झेल चुका है जिला

ऐसा नहीं है कि, जिले में इस तरह से फर्जी डॉक्टर के हाथों होने वाला मौत का यह पहला मामला है। ऐसे कई मामले जिले में अब तक हो चुके है जिनमें इन फर्जी डॉक्टरों के हाथों मरीजों ने जान गवाई है। मगर जिला प्रशासन और जिला स्वास्थ्य विभाग के खुले संक्षरण में इस तरह के कई नर्सिंगहोम और फर्जी डॉक्टर आज भी जिले में मरीजों की जान से खिलवाड़ कर रहे है। जब-जब भी इस तरह के मौत के मामले सामने आते है जिला प्रशासन और जिला स्वास्थ्य विभाग अपनी पीपड़ी लेकर कार्रवाई के नाम पर ढकोसला ही करता नजर आता है। आज तक जिला प्रशासन और जिला स्वास्थ्य विभाग ने जिले में कुकुरमुत्तों की तरह उपजे इन फर्जी, नकली और झोलाछापों के खिलाफ कोई ठोंस कार्रवाई नहीं की है। इन फर्जी झोलाछाप डॉक्टरों की सेटिंग, पकड़, मुखबीरी इतनी तेज और मजबूत है कि, ये जिला प्रशासन और जिला स्वास्थ्य विभाग को अपनी जेब में रखते है। अंदर खाने की खबर रखने वाले सुत्र तो यह भी बताते है कि, जिला स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों की भेंट-पूजा ये फर्जी झोलाछाप जमकर करते है। यही कारण है कि, जिले में ये झोलाछाप कुकुरमुत्तों की तरह फैल गए है और आए दिन आमजन की जान से खिलवाड़ कर रहे है।

झोलाछाप और स्वास्थ्य विभाग की मिलीभगत

थांदला में घटी इस घटना में तो डॉक्टर के पास फिर भी बीएचएमएस की डीग्री थी, लेकिन जिले में ऐसे कई फर्जी झोलाछाप अब भी है जिनके पास किसी डिग्री का कोई नामो निशान नहीं है। बावजूद इसके यह फर्जी झोलाछाप लोगों की जान से खुलकर खिलवाड़ कर रहे है और इन्हे ऐसा करने की छूट भी खुद जिला स्वास्थ्य विभाग दे रहा है, कार्रवाई ना करके। यदा-कदा स्वास्थ्य विभाग इन झोलाछापों पर कार्रवाई करने निकल भी जाता है तो झोलाछापों का मजबूत मुखबीरी तंत्र अमले के पहुंचने के पहले ही सूचना उन तक पहुंचा देता और फर्जी झोलाछाप अपनी दुकानदारी समेट कर मौके से रफूचक्कर हो जाते है। सवाल यह भी कि, आखिर इन्हे यह खबर देता कौन है...??

यह भी तय ही है कि, स्वास्थ्य विभाग में बैठे भैदी ही इन्हे खबर देते होंगे और इसके बदले में फर्जी झोलाछाप इन भैदियों को अपनी अवैध अकूत हराम की कमाई के टूकड़े भी डालते ही होंगे। स्वास्थ्य विभाग का यह भैदी भले ही पर्दे के पीछे हो लेकिन सवाल तो स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों पर भी उठते है। आखिर ऐसा क्या है कि, जिले में चल रहे इस अवैध फर्जी डाक्टरों के मायाजाल को ध्वस्त नहीं किया गया जा सकता। अगर प्रशासन और जिला स्वास्थ्य विभाग अपने जमीर को जगाकर, अपने कर्तव्य के प्रति दृढ़ संकल्पित हो जाए तो जिले से इनका सफाया किया जा सकता है। मगर कहते है ''छन-छन की सुनो छनकार, ये दुनिया है काला बाजार, ये पैसा बोलता है...!

आखिर क्यों जाता है आमजन इन झोलाछापों के पास...?

वर्तमान समय में इस तरह के हादसे जिले की स्थिति पर कई तरह के सवाल खड़े करते नजर आते है। सरकार की नाकामी भी यहां दिखाई पड़ती है कि, जिलेवासियों को अब भी शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में यहां वह सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही है जो मिलनी चाहिए। जिले के भोले-भाले ग्रामीण शिक्षा के अभाव में इन फर्जी झोलाछपो का शिकार हो रहे है तो सरकार और प्रशासन इन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में कहीं न कहीं नाकाम साबित हो रहा है। अशिक्षित ग्रामीण आदिवासी अब इस बात से अंजान ही नजर आ रहे कि, क्या सही है और क्या गलत। ये लोग इस बात में फर्क नहीं कर पा रहे है कि, झोलाछाप और असली डॉक्टर में अंतर क्या है। यह स्थिति यह भी दर्शाती है कि, जिले में शिक्षा का स्तर अब भी काफी नीचले स्तर का है। यही कारण भी है अशिक्षित आदिवासी ग्रामीण इन फर्जी झोलाछापों के चक्कर में आकर अपने व अपने परिजनों की जनहानी का शिकार हो रहे है।

गूंज अपील

माही की गूंज यहां जिले की ग्रामीण जनता से यह अपील करता है कि, किसी भी तरह की बिमारी में ग्रामीण इलाकों में बसे झोलाछापों के पास ना जाकर नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर पहुंचे। यहां आपको सही डॉक्टर उपलब्ध रहते है, इलाज भी मुफ्त होता है, दवाईयां भी मुफ्त में दी जाती है। सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर जांच भी सही तरीके से हो पाएगी और बीमारी का पता भी सही से लग पाएगा। अगर आपके नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर किसी तरह की कोई दिक्कत है तो भी तहसील मुख्यालय के स्वास्थ्य केंद्र या जिला मुख्यालय के सरकारी स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने की कोशिश करें। ताकि आपके अपनों की जान से कोई झोलाछाप खिलवाड़ न कर सके। सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में अनुभवि डॉक्टर आपके मरीजों का सही इलाज कर सकेंगे।

बिना नम्बर की पल्सर पर आए दो बदमाश, महिला से लूट गए सोने के आभूषण

बदमाश सीसीटीवी में केद पुलिस पकड़ने में असफल

माही की गूंज, पेटलावद।

मंगलवार को नगर के व्यस्तम मार्ग से दिनदहाड़े बिना नंबर की पल्सर पर आए दो अज्ञात बदमाशों ने एक महिला से सोने के आभूषण लूट लिए। लूट के लिए बदमाशों ने नशीले पाउडर का इस्तेमाल किया। दिनदहाड़े नगर हुई लूट की वारदात के बाद एक बार फिर पुलिस व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े हो रहे है। बदमाशों ने महिला से सोने के कंगन, गले की चेन ओर अंगूठी लूटी, जिसकी कीमत लगभग डेढ़ से दो लाख बताई जा रही है। नगर के व्यस्तम झंडा बाजार में खुशबू पति रोहित कटकानी के साथ ये लूट की वारदात हुई है। लूट को अंजाम देने वाले बदमाश नगर में लगे सीसीटीवी में हुए कैद हुई है। वारदात की जानकारी के बाद पुलिस बदमाशो की तलाश में जुटी गई है।

सीसीटीवी में कैद बदमाशों तक भी नही पहुच पाती पुलिस

नगर और उसके आसपास के गाँव मे होने वाली कोई ये पहली वारदात नही है, ये बदमाश अलग-अलग तरीके से कई बार लोगो को भृमित कर आसानी से अपना काम कर निकल गए। पूर्व में भी नगर में बदमाशों ने अलग-अलग तरीके से लूट और चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है। सबसे बड़ी बात तो कई वारदात नगर में लगे सीसीटीवी में कैद हो चुकी है लेकिन पुलिस के हाथ कोई बड़ी सफलता नही लगी। पेटलावद पुलिस का सीसीटीवी में कैद वारदात के आरोपीयो को पकड़ने के मामले रिकॉर्ड काफी खराब है। मंगलवार को फिर दिनदहाड़े बड़ी वारदात कर बदमाशों ने पुलिस को चुनौती दी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422